मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, शनिवार 10 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-179, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

मुख्यमंत्री ने आगर के बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से किया वर्चुअली संवाद

आगर में 3800 करोड़ की मैक्केन फूड परियोजना होगी शुरू

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग से आगर में शुक्रवार को आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में सहभागिता करते हुए किसानों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कृषक कल्याण वर्ष के तहत आयोजित कार्यक्रमों में किसानों से कृषि गतिविधियों, शासन की किसान हितैषी योजनाओं से मिल रहे लाभ, कृषि के क्षेत्र में नवाचार तथा किसानों की आवश्यकताओं के संबंध में संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगर में 3800 करोड़ की मैक्केन फूड परियोजना शुरू हो रही है, इसमें 2 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। पशुपालन किसानों की आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगर-मालवा जिले के लालूखेड़ी में आलू प्रसंस्करण का 200 करोड़ का उद्योग स्थापित हो रहा है, लालूखेड़ी के साथ ही अब आगर-मालवा जिले के किसान भी आलू उगाऐंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगर एवं सुसनेर का संतरा देश भर में भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले के पशुपालक गौपालन के लिये भी विशेष रूप से जाने जाते है। जैविक दूध प्रदेश में कही मिलता है तो आगर में ही मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का दूध उत्पादन भी बढ़ेगा, सांची का दुग्ध ब्राण्ड भी बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगर जिला सौर उर्जा एवं विण्ड एनर्जी के लिये भी अपनी अलग पहचान रखता है। प्रदेश में पर्याप्त बिजली, सिंचाई के लिये पानी उपलब्ध है और पांच लाख किलोमीटर की सड़कों का जाल भी है। उन्होंने ने कहा कि वर्ष 2027 तक गेहूं 2700 से के भाव में खरीदेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगर जिला गौ-सेवा के लिये भी विशेष पहचान रखता है। गौ-अभयारण्य सालरिया एवं जिले की अन्य गौशालाओं में 20 हजार से अधिक गौवंश की समुचित देखभाल की जा रही है। सरकार प्रति गौवंश 40 रूपए प्रतिदिन की दर से गौवंश



की देखभाल के लिये गौशालाओं को राशि प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौपालन को बढ़ावा देने के लिये गौपालन पुरस्कार योजना के तहत अच्छे पशुपालकों की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिसमें प्रत्येक विकास खण्ड से प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले पशुपालक को एक लाख रूपए, द्वितीय पुरस्कार के लिये 50 हजार एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार रूपए की राशि पशुपालक को प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिनायगा बड़ौद के प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले किसान श्री राधेश्याम परिहार, आखाखेड़ी तनोडिया के प्राकृतिक अरहर खेती करने वाले किसान रोहित शर्मा एवं अन्य उपस्थित प्रगतिशील कृषकों से वर्चुअली संवाद कर उनके द्वारा की जा रही प्राकृतिक, जैविक एवं उन्नत कृषि के बारे में जानकारी ली तथा इससे होने वाले लाभ के बारे में भी चर्चा की। सांसद श्री रोड़मल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेती को उद्यम बनाकर किसानों के लिये लाभ का धन्धा बना दिया है। आज उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी किसान पुत्र कृषि की ओर आकर्षित हो रहे है। किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा, अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेन्द्र सिंह यादव और विधायक श्री मधु गेहलोत ने भी संबोधित किया।

प्रगतिशील किसानों, मेधावी विद्यार्थियों और भूतपूर्व सैनिकों का किया सम्मान

कार्यक्रम मे उत्कृष्ट एवं प्रगतिशील किसानों, किसान परिवार के मेधावी छात्र-छात्राओं और भूतपूर्व सैनिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को श्री कपिल यारदे, श्री कप्तान सिंह यादव ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य विभाग एवं आधुनिक कृषि यंत्रों सहित अन्य विभागों की प्रदर्शनियों लगायी गई।

मैक्सिको की जेल में हिंसक झड़प, बच्चे सहित 10 की मौत

एजेन्सी, मैक्सिको सिटी



मैक्सिको के उत्तर-पश्चिमी राज्य सिनालोआ में मजाटलान शहर स्थित एल कैस्टिलो जेल में गुरुवार को कैदियों के बीच हुई हिंसक झड़प में एक बच्चे और नौ कैदियों समेत 10 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में अन्य 16 कैदी घायल हुए हैं। प्रांतीय सार्वजनिक सुरक्षा सचिवालय ने एक बयान में बताया कि झड़प के बाद गंभीर रूप से घायल 16 कैदियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सिनालोआ के सार्वजनिक सुरक्षा सचिव सिनुहे टेलेज ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में मृतकों में शामिल एक नाबालिग बच्चा की भी पुष्टि की है, जो मुलाकातियों में से एक था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में ले लिया है। घटना के बाद एहतियात के तौर पर जेल में परिजनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। राज्य अभियोजक कार्यालय ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार जेल के बाकी कैदी सुरक्षित हैं। उल्लेखनीय है कि सिनालोआ राज्य ड्रग कार्टेल के गुटों के बीच आपसी वर्चस्व की लड़ाई का मुख्य केंद्र रहा है।अधिकारियों ने हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि जेल के भीतर हुई यह हिंसा ड्रग कार्टेल की गुटबाजी से जुड़ी थी या नहीं।

खुफिया इनपुट पर दिल्ली पुलिस का एक्शन

सीईसी ज्ञानेश कुमार को खतरा जेड प्लस से भी ज्यादा सुरक्षा मिली

एजेन्सी, नई दिल्ली



नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के आवास के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस ने यह कदम ताजा खतरे से जुड़े इनपुट मिलने के बाद उठाया है। अधिकारियों के मुताबिक, ज्ञानेश कुमार को पहले से ही जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई है, लेकिन नए खुफिया इनपुट और राजधानी में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों को देखते हुए उनके घर के बाहर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय जिला पुलिस को भी अपने स्तर पर सुरक्षा बल बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

चूंकि नई दिल्ली जिले में पहले से विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं, इसलिए सभी सुरक्षा एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। बता दें कि ज्ञानेश कुमार की सुरक्षा बढ़ाए जाने की यह व्यवस्था ऐसे समय में की गई है, जब इंडिया ब्लॉक के नेता एसआईआर में कथित अनियमितताओं को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं।

23 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी

विरोध-प्रदर्शनों के बीच राजधानी में कानून-व्यवस्था संभालने के लिए केंद्रीय बलों की भी बड़ी तैनाती की जा रही है। गृह मंत्रालय ने 8 से 12 अक्टूबर के बीच दिल्ली पुलिस के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 221 कंपनियां, यानी करीब 23,000 जवान, उपलब्ध कराए हैं।

हरिद्वार, मेरठ में ओले गिरे

गाड़ियों के शीशे टूटे: लैंडस्लाइड से बद्रीनाथ-आदि कैलाश मार्ग बंद



एजेन्सी, नई दिल्ली

उत्तराखंड के देहरादून, ऋषिकेश, नैनीताल, हल्द्वानी और रामनगर में शुक्रवार को बारिश हुई है। हरिद्वार में ओले गिरे, जिससे गाड़ियों के शीशे टूट गए। रामनगर में चलती स्कूटी और हाथ ठेले पर एक पेड़ जा गिरा, जिससे दोनों उसके नीचे दब गए।

आज सुबह हेमकुंड साहिब और पिथौरागढ़ के धारचूला की व्यास घाटी के कुटी गांव में बर्फबारी हुई है। चमोली में बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग टंगड़ी-पागल नाले के पास लैंडस्लाइड के चलते बंद हो गया है। पिथौरागढ़ में भी आदि कैलाश सड़क पर मलबा आ गया। 500 से ज्यादा लोग फंसे हुए हैं।

वहीं उत्तर प्रदेश के मेरठ और मुजफ्फरनगर में भी ओले गिरे। मौसम विभाग ने आज 8 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। लखनऊ में गोमती नदी उफान पर है। इससे करीब 10 गांव बाढ़ में घिर गए हैं। 40 हजार से ज्यादा घर आधे से ज्यादा डूबे हुए हैं। 3 लाख से ज्यादा की आबादी प्रभावित है।

बिहार के 18 जिलों में बारिश और आंधी को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, पटना, नालंदा, गया, नवादा, शेखपुरा समेत अन्य जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है।

एमपी में ओबीसी आरक्षण

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, 27% आरक्षण रद्द 13% होल्ड पदों पर तीन महीने में होगी भर्ती



एक सत बुलेटिन, भोपाल

मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने वर्ष 2019 में ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने वाले संशोधन कानून को असंवैधानिक मानते हुए रद्द कर दिया है। इसके बाद प्रदेश में ओबीसी आरक्षण फिर से 14 प्रतिशत रहेगा।

साथ ही सरकारी भर्तियों में लंबे समय से रोके गए 13 प्रतिशत पदों पर अनारक्षित वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने के निर्देश दिए गए हैं। भर्ती एजेंसियों को यह प्रक्रिया तीन महीने में पूरी करनी होगी। हालांकि, ओबीसी पक्ष ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कही है।

अब 14 फीसदी रहेगा कोटा

मध्य प्रदेश में ओबीसी आरक्षण को लेकर हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने वर्ष 2019 में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने वाले संशोधन कानून को असंवैधानिक मानते हुए रद्द कर दिया है। अब प्रदेश में ओबीसी आरक्षण फिर 14 प्रतिशत रहेगा। अदालत ने सरकारी भर्तियों में रोके गए 13 प्रतिशत पदों को अनारक्षित वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों से भरने के निर्देश दिए हैं। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी), कर्मचारी चयन मंडल (एमपीईएसबी) और अन्य भर्ती एजेंसियों को तीन महीने में प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इससे लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, ओबीसी पक्ष ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कही है।

तीन महीने में भरने होंगे 13 प्रतिशत होल्ड पद

ओबीसी आरक्षण विवाद के कारण 29 सितंबर 2022 से कई सरकारी भर्तियों में 87:13 प्रतिशत का फार्मूला अपनाया जा रहा था। इसके तहत 87 प्रतिशत पदों पर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती थी, जबकि बाकी 13 प्रतिशत पदों को अंतिम निर्णय तक रोककर रखा गया था। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद इन पदों पर अनारक्षित वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का रास्ता खुल गया है।

बातचीत कर अनुभव जाना

वर्ल्डस्किल्स कॉम्पिटिशन के प्रतिभागियों से मिले पीएम मोदी



एजेन्सी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता 2026 में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल के प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

चीन के शंघाई में 22 से 27 सितंबर तक हुई इस प्रतियोगिता में भारत ने 10वां स्थान हासिल किया था। भारत ने 6 सिल्वर मेडल और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 20 मेडल हासिल किए। 2024 में भारत 13वें, अब 10वें स्थान पर है।

मोदी ने कहा कि युवाओं के लिए प्रैक्टिकल स्किल्स उतनी ही महत्वपूर्ण हैं, जितनी अकादमिक डिग्रियां। उन्होंने स्किल ट्रेनिंग संस्थानों को IIT और IIM के बराबर महत्व का बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीक तेजी से बदल रही है, इसलिए युवाओं को लगातार नई स्किल सीखने, अपनी क्षमताओं को बेहतर बनाने और उभरती तकनीकों के अनुरूप खुद को तैयार करने की जरूरत है।

उपचुनाव में 1.22 लाख वोटों से भाजपा प्रत्याशी ने दर्ज की जीत

नंदीग्राम में भाजपा कैंडिडेट ने सीएम शुभेंदु का रिकॉर्ड तोड़ा

एजेन्सी, कोलकाता/गुवाहाटी/पुडुचेरी



प. बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी की 5 विधानसभा सीटों और असम की एक लोकसभा के उपचुनाव के नतीजे शुक्रवार को आ गए। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर सीटें भाजपा ने जीत ली है। वहीं तमिलनाडु की दो सीटों पर TVK ने कब्जा किया। उधर, पुडुचेरी की एक विधानसभा सीट पर एनडीए ने जीत हासिल की। वहीं, असम के नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा आगे चल रही है।

नंदीग्राम सीट पर भाजपा प्रत्याशी हसीरानी रथ 122753 वोटों से जीत गईं हैं। उन्हें कुल 164427 वोट मिले। हसीरानी ने इस सीट पर सीएम शुभेंदु अधिकारी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हसीरानी ने 1,22,753 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। यह 1967 के सीट के अस्तित्व में आने के बाद जीत का सबसे बड़ा अंतर है। इससे पहले सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड 2016 में शुभेंदु अधिकारी के नाम था। तब उन्होंने TMC के टिकट पर CPI के अब्दुल कबीर शेख को 81,230 वोटों से हराया था।

नंदीग्राम में जीत के बाद भाजपा उम्मीदवार हसीरानी रथ ने कहा, मुख्यमंत्री के रूप में सिर्फ पांच महीने के कार्यकाल में उनकी सरकार ने नंदीग्राम से लेकर पहाड़ी और जंगलों वाले इलाकों तक विकास कार्य जारी रखे हैं। राज्य में कई लाख करोड़ रुपए का कर्ज होने के बावजूद सरकार राज्य के विकास के लिए काम कर रही है। जनता ने भाजपा पर भरोसा जताया है।

असम, बंगाल और पुदुचेरी में जीत पर पीएम मोदी ने जताया मतदाताओं का आभार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम, पश्चिम बंगाल और पुदुचेरी में भाजपा-एनडीए उम्मीदवारों की जीत के बाद मतदाताओं का आभार जताया है। उन्होंने विजयी उम्मीदवारों को बधाई देने के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत की भी सराहना की। मोदी ने कहा कि ये नतीजे भाजपा-एनडीए के सुशासन के एजेंडे के प्रति लोगों के जुड़ाव को दिखाते हैं। उन्होंने पुदुचेरी में जीत के लिए एनडीए की सहयोगी पार्टी एआईएनआरसी को भी बधाई दी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि लोगों का समर्थन गठबंधन को और मजबूती देता है। उन्होंने असम के नगांव लोकसभा क्षेत्र और पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम व रेजिनगर विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों की जीत का जिक्र किया। मोदी ने कहा कि इन नतीजों से पता चलता है कि लोग भाजपा-एनडीए के सुशासन के एजेंडे से गहराई से जुड़े हुए हैं।





'लोकतंत्र ने भीड़तंत्र को जवाब दिया': स्मृति ईरानी

भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को उपचुनावों में भाजपा की जीत के लिए वोटरों का शुक्रिया अदा किया। इसके साथ ही कहा कि लोकतंत्र ने विपक्ष की 'मॉबोक्रेसी' (भीड़तंत्र) को करारा जवाब दिया है। बता दें कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल, असम और पुदुचेरी में जीत हासिल की है।' स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को कहा, 'आज लोकतंत्र ने भीड़तंत्र को जवाब दिया है। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनावों के दौरान भारतीय जनता पार्टी की जीत की खबर ने हम सभी को खुश कर दिया है। पुदुचेरी में भाजपा कार्यकर्ता एनडीए के प्रतिनिधि को उनकी जीत पर बधाई दे रहे हैं। अभी पश्चिम बंगाल और असम से ऐतिहासिक नतीजों की खबरें आ रही हैं।

पूर्व में 5 से बढ़ाकर 18 प्रतिशत किया था जीएसटी, कटौती की उम्मीदों पर फिरा पानी

बिजली उत्पादक कोयले पर जीएसटी में राहत नहीं, उपभोक्ताओं में आक्रोश

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



बिजली उपभोक्ताओं को जीएसटी परिषद की बैठक से राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन 8 अक्टूबर को हुई बैठक में बिजली उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कोयले पर जीएसटी में कटौती नहीं किए जाने से उपभोक्ताओं और जनसंगठनों में नाराजगी है। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने निर्णय पर असंतोष जताते हुए केंद्र सरकार से कोयले पर जीएसटी की दोबारा समीक्षा करने की मांग की है। मंच के अध्यक्ष डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने कहा कि बिजली उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कोयले पर पहले 5 प्रतिशत जीएसटी लगता था, जिसे बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया था। उम्मीद थी कि जीएसटी परिषद की बैठक में इसे फिर से घटाकर 5 प्रतिशत किया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इससे बिजली उत्पादन की लागत कम होने और उपभोक्ताओं को राहत मिलने की संभावनाओं को झटका लगा है। डॉ. नाजपांडे के अनुसार, 11 सितंबर 2025 को आयोजित जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में कोयले पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने के साथ प्रति टन 400 रुपये का मुआवजा उपकर हटाने का निर्णय लिया गया था। कोयला मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस बदलाव से बिजली उत्पादन की लागत में लगभग 17 से 18 पैसे प्रति यूनिट की कमी आने की उम्मीद थी। हालांकि, मंच का कहना है कि वर्ष 2025-26 में बिजली सस्ती होने के बजाय बिजली की दरों में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली। ऐसे में कोयले पर कर व्यवस्था में बदलाव से उपभोक्ताओं को वास्तविक राहत मिलने के दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मंच ने बिजली बिलों में लगने वाले ईंधन समायोजन अधिभार यानी फ्यूल सरचार्ज में वृद्धि का मुद्दा भी उठाया। डॉ. नाजपांडे के अनुसार, बिजली दर निर्धारण के फार्मूले में बिजली उत्पादक कोयले की लागत को भी शामिल किया जाता है। जनवरी 2026 में फ्यूल सरचार्ज 1.58 प्रतिशत था, जो सितंबर में बढ़कर 5.06 प्रतिशत हो गया। इस प्रकार इसमें 3.46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मंच का कहना है कि एक ओर बिजली उत्पादन की लागत घटने की उम्मीद जताई गई थी, वहीं दूसरी ओर फ्यूल सरचार्ज में बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने मांग की है कि बिजली उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कोयले पर जीएसटी की दर की दोबारा समीक्षा की जाए। मंच के अनुसार, कर व्यवस्था में ऐसा बदलाव होना चाहिए, जिससे बिजली उत्पादन की लागत में वास्तविक कमी आए और उसका लाभ आम उपभोक्ताओं को मिल सके। इस संबंध में आयोजित बैठक में रजत भार्गव, टी.के. रायचंदानी, एडवोकेट वेदप्रकाश अधोलिया, सुभाष चंद्रा, सुशीला कनौजिया, संतोष श्रीवास्तव, मनीष शर्मा, पी.एस. राजपूत, अशोक यादव, श्याम सोनलकर, के.सी. सोनी, घनश्याम सोनकर, एडवोकेट ब्रजेश साहू, प्रफुल्ल सक्सेना, के.एन. कमलाकर, दिलीप कुंडे और राममिलन शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

शराब के लिए पैसे न देने पर खूनी संघर्ष युवकों पर 'बका' से हमला, जान से मारने की धमकी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्य प्रदेश के संस्कारधानी जबलपुर में अपराधियों के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसकी एक बानगी गढ़ा थाना क्षेत्र में देखने को मिली है। इंद्रा बस्ती रतननगर इलाके में शराब पीने के लिए पैसे न देने पर दबंग युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। आरोपियों ने इनकार करने पर एक युवक के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया और बीच-बचाव करने आए उसके साथी को भी जमीन पर पटककर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद से इलाके के रहवासियों में दहशत और आक्रोश का माहौल है। पुलिस से प्राप्त विस्तृत जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना गढ़ा थाना अंतर्गत इंद्रा बस्ती (रतननगर) की है। विजयनगर निवासी 22 वर्षीय पीड़ित सोनू जायसवाल ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि 7 अक्टूबर को वह अपने दोस्त योगेश श्रेष्ठ नेपाली के साथ उसकी ससुराल गया था। दोपहर करीब 2 बजे मोहल्ले का रहने वाला आरोपी गुड्डू रायडर अपने एक अन्य साथी कृष्णा के साथ वहां पहुंचा। दोनों ने शराब पीने के लिए सोनू और योगेश से एक हजार रुपये की मांग की। जब पीड़ितों ने पैसे देने से साफ इनकार कर दिया, तो आरोपी तैश में आ गए और अभद्रता व गाली-गलौज करने लगे। सोनू द्वारा समझाने-बुझाने पर आरोपी फिलहाल वहां से चले गए, लेकिन उनकी नीयत में खोट था। धारदार हथियार से हमला और मारपीट कुछ ही देर बाद आरोपी गुड्डू रायडर हाथ में लोहे के 'बका' (धारदार हथियार) जैसी वस्तु लेकर वापस लौटा और आते ही योगेश श्रेष्ठ नेपाली के सिर पर जोरदार हमला कर दिया। इस अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जब सोनू जायसवाल अपने दोस्त को बचाने के लिए बीच-बचाव करने आगे आया, तो दूसरे आरोपी कृष्णा ने उसे जोर से उठाकर जमीन पर पटक दिया, जिससे उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। खून से लथपथ दोनों घायलों को देखकर आरोपी मौके से जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने दर्ज किया मामला, आरोपियों की तलाश तेज दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज मारपीट और हमले की सूचना मिलते ही गढ़ा थाना पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने घायलों की शिकायत के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। फिलहाल, पुलिस घायलों का मेडिकल परीक्षण कराकर फरार आरोपियों की तलाश में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही दोनों को सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

घमापुर में सुअरमार बम से हमले की कोशिश, महिला समेत कई प्रभावित

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



घमापुर थाना क्षेत्र के लालमाटी स्थित गोपाल होटल के आसपास सुअरमार बम फेंकने की अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। एक मामले में महिला ने दो युवकों पर जान से मारने की नीयत से बम फेंकने का आरोप लगाया है, जबकि दूसरी घटना में एक व्यक्ति और ऑटो में बैठी महिला के छर्रे लगने से घायल होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, 42 वर्षीय नीलू चौहान निवासी लालमाटी गोपाल होटल, ने शिकायत दर्ज कराई कि 7 अक्टूबर की शाम करीब 5:30 बजे वह घर के बाहर बैठी थीं। इसी दौरान सोनू दाहिया और गोलू वहां पहुंचे और उन पर सुअरमार बम फेंका। बम उनके ऊपर नहीं गिरा, बल्कि गेट के सामने फट गया। महिला के चिल्लाने पर दोनों आरोपी भाग गए।दूसरी शिकायत 38 वर्षीय गोलू ठाकुर निवासी लालमाटी, ने दर्ज कराई। उसने बताया कि 7 अक्टूबर की शाम करीब 7:30 बजे वह गोपाल होटल चौक पर बैठा था। उसके पास ऑटो में एक महिला सवारी बैठी थी। इसी दौरान सोनू दाहिया ने उस पर सुअरमार बम फेंका। बम पास में फटने से उसके दाहिने हाथ की हथेली और ऑटो में बैठी महिला की पीठ एवं पेट में छर्रे लगने से चोटें आईं।इसके अलावा, 8 अक्टूबर की रात करीब 2:30 बजे राजेंद्र बिनोदिया के घर के सामने भी सुअरमार बम फटने की घटना सामने आई। पुलिस ने इस मामले में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

सिहोरा के ग्राम डूंडी में सनसनीखेज चोरी: किसान के घर से लाखों के सोने-चांदी के जेवर पार, पुलिस जांच में जुटी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के सिहोरा थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम डूंडी में चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। यहां अज्ञात चोरों ने एक किसान के घर को अपना निशाना बनाते हुए लाखों कीमत के सोने-चांदी के जेवर चुरा लिए। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता का माहौल है। रात के सन्नाटे में दिया वारदात को अंजाम पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम डूंडी निवासी 41 वर्षीय वीरेन्द्र कुमार पटेल पेशे से किसान हैं। 5 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे वह अपने परिवार के साथ घर के एक कमरे में सोए हुए थे। परिवार गहरी नींद में था, जिसका फायदा उठाकर अज्ञात चोर घर के अंदर दाखिल हो गए। चोरों ने घर के दूसरे कमरे में रखी बिस्तर पेटी और ड्रमों को खंगालना शुरू कर दिया। सुबह जब वीरेन्द्र कुमार और उनके परिवार के सदस्य करीब 5 बजे जागे, तो उन्होंने बाजू वाले कमरे का सारा सामान बिखरा हुआ पाया।पेटी से गायब मिले गहने पीड़ित किसान ने जब सामान की जांच की, तो उनके होश उड़ गए। चोर पेटी में रखे कीमती जेवर ले उड़े थे। चोरी गए सामान में मुख्य रूप सेःशामिल हैं। पीड़ित के मुताबिक, चोर घर में रखे बक्से और ड्रमों के ताले या ढक्कन खोलकर आसानी से इन गहनों पर हाथ साफ कर ले गए और किसी को भनक तक नहीं लगी। घटना की सूचना मिलते ही सिहोरा थाना पुलिस हरकत में आई। पीड़ित वीरेन्द्र कुमार पटेल की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की गंभीर धाराओं 305(ए) और 331(4) के तहत अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। फिलहाल, पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि संदिग्धों की पहचान के लिए आसपास के रास्तों और संभावित ठिकानों पर सुराग तलाशे जा रहे हैं। जल्द ही चोरों को पकड़कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

इंस्टाग्राम पर थ्रीडी स्टेच्यू का विज्ञापन देखकर किया ऑर्डर

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



सोशल मीडिया पर ऑनलाइन खरीदारी के नाम पर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। गोहलपुर थाना क्षेत्र की त्रिमूर्तिनगर निवासी 34 वर्षीय अंकिता उपाध्याय ने शिकायत दर्ज कराई है कि इंस्टाग्राम पर थ्रीडी स्टेच्यू का विज्ञापन देखकर ऑर्डर करना उन्हें महंगा पड़ गया। ठगों ने डिलीवरी और रिफंड के नाम पर उनसे तथा उनकी मां के बैंक खातों से कुल 26 हजार 611 रुपये निकाल लिए। पुलिस के अनुसार, अंकिता ने बताया कि 21 सितंबर को इंस्टाग्राम पर थ्रीडी स्टेच्यू का विज्ञापन देखने के बाद उन्होंने उसमें दिए गए 'कनेक्ट नाउ' विकल्प पर क्लिक किया। इसके बाद व्हाट्सऐप पर संदेश आया और बताए गए स्कैनर के माध्यम से उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक खाते से 599 रुपये का भुगतान कर दिया। 25 सितंबर को डिलीवरी के नाम पर उनसे 1,392 रुपये और रिफंड के नाम पर 2,950 रुपये जमा कराए गए। इसके बाद ठगों ने तकनीकी परेशानी का हवाला देते हुए उनकी मां स्नेहलता उपाध्याय के बैंक खाते से भी अलग-अलग किस्तों में 4,735 रुपये, 5,650 रुपये, 2,000 रुपये और 7,892 रुपये निकाल लिए। पीड़िता के अनुसार, न तो उन्हें ऑर्डर किया गया सामान मिला और न ही रकम वापस की गई। उलटे, उनसे और पैसे मांगे जाने लगे। शिकायत पर गोहलपुर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रेलवे स्टेशन जाने के लिए ऑटो में बैठा यात्री लूटा, चाकू से हमला कर 500 रुपये छीने

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रेलवे स्टेशन जाने के लिए ऑटो में बैठे एक यात्री से मारपीट कर रुपये छीनने का मामला सामने आया है। आरोप है कि ऑटो चालक और उसके साथी ने पहले 20 रुपये किराया बताया, लेकिन स्टेशन के पास पहुंचने पर 20 हजार रुपये मांगने लगे। विरोध करने पर चाकू से हमला कर यात्री की जेब से 500 रुपये निकाल लिए और फरार हो गए। पुलिस के अनुसार जिला सिंगरौली निवासी 25 वर्षीय दिलकेश शाह ने 8 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई कि वह रात करीब 1:30 बजे जबलपुर पहुंचा था और पुणे जाने के लिए रेलवे स्टेशन जा रहा था। तीन पत्ती चौराहे पर उसने एक ऑटो रोका। चालक के अलावा उसमें एक अन्य युवक भी बैठा था। रेलवे स्टेशन तक जाने का किराया 20 रुपये बताया गया, जिस पर वह ऑटो में बैठ गया। स्टेशन के पास पहुंचने पर ऑटो में बैठे युवक ने 20 हजार रुपये मांगे। विरोध करने पर दोनों गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि युवक ने चाकू निकालकर रुपये नहीं देने पर हमला करने की धमकी दी। यात्री के भागने का प्रयास करने पर उसे पकड़कर चाकू से कमर के दाहिने हिस्से में चोट पहुंचाई और जेब से 500 रुपये छीन लिए। लोगों की भीड़ जुटने पर दोनों ऑटो से फरार हो गए।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में युवा कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

शाहपुरा में मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन किया गया

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में जबलपुर में सियासत गरमा गई है। युवा कांग्रेस बरगी विधानसभा एवं नगर कांग्रेस के संयुक्त नेतृत्व में शाहपुरा क्षेत्र में जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया। प्रदर्शन को और अधिक तीखा बनाने के लिए पुतले को नकली नोटों की माला पहनाई गई और चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। आयोग पर गंभीर आरोप, इस्तीफे की मांग प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर काम करने का खुला आरोप लगाया। युवा कांग्रेस नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से तत्काल अपने पद से इस्तीफे की मांग की है। युवा कांग्रेस बरगी विधानसभा अध्यक्ष विवेक सिंघई ने प्रदर्शन के दौरान कड़े तेवर दिखाते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार देश के संविधान को बदलने का षड्यंत्र रच रही है। उन्होंने राहुल गांधी की गिरफ्तारी को पूरी तरह से अलोकतांत्रिक और संविधान के विरुद्ध करार दिया। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की न्यायसंगत मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया, तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर और भी उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। इस पुतला दहन एवं विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और युवा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रमुख

जबलपुर में मेडिकल यूनिवर्सिटी के विखंडन पर उबाल:

कछपुरा में दिया गया सांकेतिक धरना, सरकार को उग्र आंदोलन की चेतावनी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जबलपुर मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी जबलपुर में मेडिकल यूनिवर्सिटी के कथित पक्षपातपूर्ण विखंडन और अकादमिक व्यवस्थाओं में लगातार आ रही गिरावट के खिलाफ विरोध के सुर तेज हो गए हैं। मेडिकल यूनिवर्सिटी संघर्ष संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में कछपुरा विक्रेता संघ द्वारा कछपुरा ब्रिज के पास एक दिवसीय सांकेतिक धरना दिया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर रोष जताया और विखंडन को तुरंत रद्द करने की मांग की। क्षेत्रीय बंटवारे पर गंभीर आरोप, जबलपुर को बताया उपेक्षित धरना प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप लगाए। संयोजक मनीष शर्मा ने कहा कि मेडिकल यूनिवर्सिटी का जो क्षेत्रीय बंटवारा किया गया है, वह पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस असामान्य बंटवारे में जबलपुर को मात्र 30 प्रतिशत क्षेत्र दिया गया है, जबकि उज्जैन को 70 प्रतिशत हिस्सा सौंप दिया गया है। प्रदर्शनकारियों का साफ तौर पर कहना था कि इससे सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं, जो यह साफ दर्शाता है कि सरकार सुनियोजित तरीके से जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी को कमजोर कर इसे खत्म करना चाहती है। मनीष शर्मा ने यह भी बताया कि इससे पहले भी यूनिवर्सिटी के कई विभागों को अलग कर सामान्य विश्वविद्यालयों में शामिल कर इसे पहले ही कमजोर कर दिया जा चुका है। प्रदर्शन में शामिल राकेश चक्रवर्ती ने चिंता जताते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों से यूनिवर्सिटी की एकेडमिक व्यवस्था को जानबूझकर बदतर बना दिया गया है। योजनाबद्ध तरीके से यूनिवर्सिटी को जबलपुर से बंद करने की साजिश रची जा रही है, जिसका खामियाजा सीधे तौर पर मेडिकल स्टूडेंट्स को भुगतना पड़ रहा है। समय पर परीक्षाएं और रिजल्ट न आने से छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। सरकार को दी उग्र आंदोलन की चेतावनी धरने के अंत में प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि मेडिकल यूनिवर्सिटी का यह विखंडन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि सरकार ने अपने फैसले पर पुनर्विचार कर इस विखंडन को रद्द नहीं किया, तो आने वाले समय में जबलपुर में एक बड़ा जन आंदोलन छेड़ा जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस एक दिवसीय सांकेतिक धरने और विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग और स्थानीय संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रमुख रूप सेः विनोद पांडे, प्रफुल्ल सक्सेना,मयंक राज, अंकित गोस्वामी,अनिल गुप्ता, उमेश साहू, आकाश साहू, तथा प्रदीप, मोहन, राजेश, अंकित सहित कछपुरा विक्रेता संघ और संघर्ष मोर्चा के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

ग्वालियर में 24 अक्टूबर से शुरू होगा जिला बॉक्सिंग टूर्नामेंट



ग्वालियर। ग्वालियर के खेल प्रेमियों और युवा खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। ग्वालियर बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा दर्पण खेल संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में शहर के प्रतिभाशाली बालक-बालिकाओं के लिए ग्वालियर जिला बॉक्सिंग टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया जाने वाला है। यह रोमांचक प्रतियोगिता आगामी 24 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक शहर के प्रसिद्ध एकलव्य स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में खेली जाएगी। इन वर्गों के खिलाड़ियों को मिलेगी प्रवेश की पात्रता आयोजन समिति के अनुसार, इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्ग के बालक और बालिकाएं अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। इन सभी वर्गों के बालक-बालिकाएं इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के पात्र होंगे और रिंग में अपने मुक्कों का हुनर दिखाएंगे। 18 अक्टूबर है आवेदन की अंतिम तिथि ग्वालियर बॉक्सिंग एसोसिएशन के आयोजन सचिव शिवम पचौरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 18 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

उपनगर ग्वालियर में अग्रसेन जयंती महोत्सव 11 अक्टूबर से



ग्वालियर। अग्रवाल नवयुवक संघ उपनगर ग्वालियर द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव 11 से 15 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। इस अवधि में महोत्सव की शुरूआत 11 अक्टूबर को ध्वजा पूजन व प्रभात फेरी से होगी। प्रभात फेरी सुबह छह बजे घासमंडी चौराहे से प्रारंभ होकर किलागेट, हजीरा, तानसेन नगर, रमटापुरा, लोहामंडी से अग्रसेन भवन हलवाई खाना पहुंचेगी। अग्रवाल नवयुवक संघ के अध्यक्ष पूर्व पार्षद विकास. जैन, महामंत्री कपिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संगम अग्रवाल व भवन प्रबंधक विकास सिंघल ने बताया कि महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत पहले दिन महिला कीर्तन, गेरू से माढ़ने बनाना श्री अग्रसेन भवन पर ही आयोजित होंगे। वंदनवार बनाना, एक मिनट गेम, अग्रसेन महाराज सजाओ, मिस एंड मिसेज सेफ हाउजी अग्रसेन भवन पर आयोजित होंगे।

अग्रवैश्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन 26 अक्टूबर को



ग्वालियर। अखिल भारतीय अग्रवैश्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का 142वां आयोजन 26 अक्टूबर को मानस भवन में होगा। सम्मेलन में अग्रवैश्य समाज के विभिन्न घटकों के विवाह योग्य युवक-युवतियों के परिवार एक ही पंडाल में आपसी परिचय के साथ रिश्ते तय कर सकेंगे। पंजीयन पूरी तरह निश्शुल्क रहेगा। राजेश ऐरन ने बताया कि संस्था द्वारा जयपुर, आगरा, दिल्ली, मुंबई, गोवा, कोलकाता, अहमदाबाद, सिलीगुढ़ी, जम्मू और भोपाल सहित देश के विभिन्न शहरों में अब तक 141 परिचय सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। इन सम्मेलनों के माध्यम से करीब 12 हजार रिश्ते तय हुए हैं और एक लाख से अधिक अग्रवैश्य परिवारों को जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि ग्वालियर सम्मेलन में माहेश्वरी, गहोई वैश्य, खंडेलवाल वैश्य, जैन, माथुर वैश्य और माहौर वैश्य समाज सहित अग्रवैश्य समाज के सभी घटकों के. परिवार शामिल हो सकेंगे।

स्मार्ट सिटी सीईओ ने महाराज बाड़ा मल्टीलेवल कार पार्किंग का किया स्थलीय निरीक्षण

प्रतीक राव ने जलभराव समाधान कार्यों की ली विस्तृत जानकारी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



ग्वालियर के हृदय स्थल महाराज बाड़ा पर निर्माणाधीन अंडरग्राउंड मल्टीलेवल कार पार्किंग में जलभराव की जटिल समस्या के सफल तकनीकी समाधान के बाद शुक्रवार को नगर निगम अपर आयुक्त एवं ग्वालियर स्मार्ट सिटी सीईओ टी. प्रतीक राव ने निर्माण स्थल का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जलभराव नियंत्रण के लिए हाल ही में किए गए तकनीकी उपायों का स्थलीय जायजा लिया और संबंधित निर्माण एजेंसी व स्मार्ट सिटी के अधिकारियों से पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। ?निरीक्षण के दौरान सीईओ टी. प्रतीक राव ने विशेष स्कूबा डाइवरों की मदद से बोरवेल के पाइप को ग्राउंड लेवल तक उठाए जाने के कार्य का बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने मौके पर मौजूद तकनीकी टीम से समझा कि पाइप रेज़ होने के बाद पानी के प्रेशर और बेसमेंट में जलस्तर पर क्या प्रभाव पड़ा है। सीईओ श्री राव ने निर्माण एजेंसी एलएंडटी और स्मार्ट सिटी के संबंधित अभियंताओं को कड़े निर्देश दिए कि पाइप रेज़ करने के इस तकनीकी उपाय के बाद वाटर लेवल की लगातार और सघन मॉनिटरिंग की जाए। नियमित रूप से यह जांचा जाए कि भू-जल स्तर में कितनी कमी दर्ज हो रही है, जिससे कि बेसमेंट-3 में बचे हुए पानी की डिवाटरिंग की प्रक्रिया को वैज्ञानिक तरीके से सुगम और त्वरित बनाया जा सके। श्री राव ने पार्किंग परिसर के बाहर जल स्तर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से किए गए दो बोरवेल और उनके मुख्य जलापूर्ति लाइन से किए गए इंटरकनेक्शन के कार्य की प्रगति भी देखी। उन्होंने निर्देश दिए कि बेसमेंट-3 से पानी की पूरी निकासी के लिए यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पंप और निकासी प्रणालियां पूरी क्षमता से कार्य करें, ताकि बेसमेंट-3 का सिविल कार्य बिना किसी अवरोध के शुरू किया जा सके। सीईओ श्री टी. प्रतीक राव ने स्पष्ट किया कि 13 महीनों से बनी जलभराव की मुख्य बाधा दूर हो चुकी है, इसलिए अब निर्माण कार्य की गति में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्माण एजेंसी को मैनपॉवर और संसाधन बढ़ाकर काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया कि ऊपरी बेसमेंट (बेसमेंट-1 एवं बेसमेंट-2) के शेष निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को तय समय-सीमा में जनता को समर्पित किया जा सके।

लाड़ली बहना योजना का लाभ दिलाने के बहाने ठगी :ग्वालियर में 80 साल की बुजुर्ग महिला के गहने ले भागी युवती

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर में लाड़ली बहना योजना का लाभ दिलाने का झांसा देकर 80 साल की बुजुर्ग महिला के गहने चोरी करने का मामला सामने आया है। आरोपी युवती ऑटो में बैठाकर बुजुर्ग को दिनभर शहर के अलग-अलग इलाकों में घुमाती रही। इसके बाद भीड़ का डर दिखाकर उसके गहने उतरवाए और थैला लेकर फरार हो गई। घटना 5 अक्टूबर को सुबह 11.30 बजे से शाम 5 बजे के बीच की है। झांसी रोड थाना पुलिस ने ष्टष्ट्रङ्क फुटेज के आधार पर शुक्रवार (9 अक्टूबर 2026) को मामला दर्ज कर संदेही युवती की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को एक स्पॉट के फुटेज मिले हैं, जिनमें बुजुर्ग महिला के साथ संदेही युवती दिखाई दे रही है। इसी आधार पर पुलिस उसकी पहचान करने और तलाश में जुटी है। गली नंबर-1 की रहने वाली विद्या बाई कुशवाह (80) घर में ही कॉस्मेटिक की दुकान चलाती हैं। पीड़िता ने बताया कि 5 अक्टूबर की सुबह करीब 11:30 बजे वह दुकान पर अकेली थीं। तभी गुलाबी रंग का सलवार-सूट पहने करीब 25-26 साल की एक युवती आई और नेल पॉलिश मांगने लगी। बातचीत के दौरान युवती ने उनसे पूछा कि 'आपको लाड़ली बहना योजना का पैसा मिलता है या नहीं?' बुजुर्ग ने मना किया तो उसने कहा कि 'चलो, मैं अभी बाड़ा ऑफिस ले जाकर आपका फॉर्म भरवा देती हूं।' इसके बाद वह बुजुर्ग महिला को ऑटो में बैठाकर बाड़ा नगर निगम के ऑफिस ले गई। शातिर युवती बुजुर्ग महिला को पहले बहोड़ापुर चौराहे ले गई। वहां कोई सरकारी दफ्तर न दिखने पर जब बुजुर्ग ने घर वापस छोड़ने को कहा, तो आरोपी युवती उन्हें पुरानी छावनी ले गई। बुजुर्ग के विरोध करने पर ऑटो वापस बाड़े की तरफ मोड़ा और सागर होटल वाली गली में ले जाकर उतार दिया। सागर होटल वाली गली में पहुंचकर युवती ने बुजुर्ग महिला से कहा ' महाराज बाड़ा पर बहुत भीड़ रहती है, कोई आपके जेवर काट लेगा। इन्हें उतारकर थैले में रख लो। '

कांग्रेस से समाजवादी पार्टी तक, इंडिया गठबंधन के दलों ने निकाली संयुक्त महारैली निकाली गई

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



इंडिया गठबंधन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर लिए गए निर्णय अनुसार लोकतंत्र, संविधान एवं मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के संकल्प को लेकर आज अचलेश्वर मंदिर चैंबर ऑफ़ कॉमर्स भवन से इंडिया गठबंधन के घटक दल कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई (एम), सीपीआई (एमएल), समाजवादी पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं ने शहर के प्रमुख मार्ग इंदरगंज चौराहा, नदी गेट, शिंदे की छावनी होते हुए फूलबाग स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा स्थल तक पहुंचा। पैदल मार्च का समापन मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता का पुतला दहन अपना विरोध दर्ज कर किया गया। इंडिया गठबंधन के पैदल मार्च रैली में अखिल भारतीय कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई (एम), सीपीआई (एमएल), समाजवादी पार्टी सहित इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के जिलाअध्यक्ष ,सचिव , विधायक, पार्षद एवं प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे। इंडिया गठबंधन के सदस्य भारतीय कांग्रेस पार्टी मध्य प्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य ने जानकारी देते हुए बताया कि लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च है और उसका सबसे महत्वपूर्ण अधिकार उसका वोट है। चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और निर्वाचन संस्थाओं की विश्वसनीयता लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े किसी भी सवाल पर इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी दल एकजुट होकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाएंगे।इंडिया गठबंधन का संयुक्त मार्च किसी एक दल का कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र और मतदाता के अधिकारों से जुड़े सवालों को लेकर इंडिया गठबंधन की सामूहिक आवाज का प्रतीक है लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की भागीदारी और उसके मत की स्वतंत्रता सर्वोपरि है।

रिटायर्ड फौजी ने पड़ोसी के घर पर चलाई गोलियां

पड़ोसी की बेटी पर छींटे पड़ने को लेकर विवाद, पीड़ित ने घर में जाकर बचाई जान

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर में गोला का मंदिर थाना क्षेत्र की प्रीतम विहार कॉलोनी में पानी के छींटे पड़ने को लेकर हुए विवाद में एक रिटायर्ड फौजी ने पड़ोसी दंपती के साथ मारपीट कर दी। इसके बाद आरोपी ने अपनी लाइसेंसी राइफल से पड़ोसी के घर पर 3-4 गोलियां चला दीं। घटना रात की है। पूरी घटना पास में लगे कैमरे में कैद हो गई। राहत की बात यह रही कि फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर राइफल जब्त कर ली है। पुलिस के मुताबिक पिंटो पार्क स्थित प्रीतम विहार कॉलोनी में देवेश सिंह तोमर अपने परिवार के साथ रहते हैं। गुरुवार रात पड़ोस में रहने वाले सेवानिवृत्त फौजी पूरन सिंह राजावत अपने प्लॉट की दीवार पर पानी डाल रहे थे। इसी दौरान देवेश की बेटी सृष्टि वहां से गुजरी तो पानी के छींटे उस पर पड़ गए, जिससे उसके कपड़े गीले हो गए। इस बात को लेकर देवेश सिंह तोमर अपनी पत्नी के साथ पूरन सिंह के पास पहुंचे। उन्होंने पानी डालते समय सावधानी बरतने और देखकर पानी डालने की बात कही। आरोप है कि इस पर पूरन सिंह गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने देवेश और उनकी पत्नी के साथ मारपीट की।

कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव के.सी. गुप्ता ने किया ग्वालियर में उद्यानिकी गतिविधियों का निरीक्षण

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

मध्यप्रदेश शासन के कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव उद्यानिकी के.सी. गुप्ता ने शुक्रवार को ग्वालियर जिले का भ्रमण कर विभिन्न उद्यानिकी गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों द्वारा आधुनिक तकनीक से की जा रही खेती, फसल उत्पादन, प्रसंस्करण, ग्रेडिंग एवं पैकिंग कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने जिले में संचालित उद्यानिकी गतिविधियों की सराहना करते हुए उत्पादन एवं गुणवत्ता बढ़ाने तथा किसानों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान श्री गुप्ता ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के अंतर्गत श्री धर्मेन्द्र राणा की 12 लाख रुपये की स्वीकृत तेल मिल इकाई का निरीक्षण किया। उन्होंने इकाई में तेल के उत्पादन, पैकिंग, वर्षभर में होने वाले उत्पादन तथा प्राप्त लाभ के संबंध में जानकारी ली। साथ ही उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में वृद्धि के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम वरई में कृषक रजनीश पाण्डे के खेतों का निरीक्षण किया। यहां ड्रिप सिंचाई एवं मल्चिंग तकनीक से पांच-पांच बीघा क्षेत्र में गुलाब, मिर्च तथा टमाटर की खेती की जा रही है।

आधुनिक तकनीक से की जा रही खेती का लिया जायजा

भ्रमण के अगले चरण में श्री गुप्ता ने ग्राम दोरार में कृषक श्री बाईसराम धाकड़, श्री पंकज चौधरी एवं श्री सिद्धार्थ बघेल के खेतों का निरीक्षण किया। यहां ड्रिप सिंचाई एवं मल्चिंग तकनीक से उगाई जा रही मिर्च की फसल का अवलोकन किया। इसके पश्चात ग्राम सहसारी में कृषक श्री राधाकृष्ण धाकड़ एवं श्री करन सिंह धाकड़ के खेतों में पहुंचकर मिर्च, फूलगोभी, करेला एवं बैंगन सहित अन्य सब्जियों की फसलों का निरीक्षण किया।

ग्वालियर में 300 पटवारी अनिश्चितकालीन धरने पर : पटवारियों के निलंबन के बाद विरोध तेज

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर में देवास जिले में पटवारियों की सेवा समाप्ति और प्रदेशभर में निलंबन की कार्रवाई के विरोध में पटवारियों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। जिले के करीब 300 पटवारी अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय परिसर स्थित आजीविका दीदी कैफे के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। गुरुवार को कलेक्टर रुचिका चौहान ने काम में लापरवाही के आरोप में 19 पटवारियों को निलंबित करने के आदेश दिए थे। इसके बाद पटवारियों का विरोध और तेज हो गया। पटवारी संघ ने 'स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026' के तहत पटवारियों को 'निष्पादक' बनाए जाने का विरोध किया है। उनका कहना है कि इस व्यवस्था के कारण पटवारियों पर ऐसी जिम्मेदारी डाली जा रही है, जो उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आती। संघ ने निलंबित साथियों पर की गई कार्रवाई वापस लेने की मांग भी की है। पटवारियों का मुख्य विरोध 17 सितंबर से लागू नई व्यवस्था को लेकर है धरने पर बैठे पटवारी लखन लाल सोनी ने बताया कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2020 में स्वामित्व योजना शुरू की थी। इसके तहत ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में ड्रोन सर्वे कर नक्शे और अधिकार अभिलेख तैयार किए गए थे। ये अभिलेख जारी हो चुके हैं और इनके आधार पर खसरे भी उपलब्ध हैं, जिन पर डिजिटल हस्ताक्षर होते हैं। इनके जरिए ग्रामीण अपनी जमीन का क्रय-विक्रय कर सकते हैं और बैंकों से ऋण भी ले सकते हैं। पटवारियों का मुख्य विरोध 17 सितंबर से लागू नई व्यवस्था को लेकर है। उनका कहना है कि इसमें पटवारियों को निष्पादक बनाकर उनकी व्यक्तिगत आईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

55 लीटर से ज्यादा मदिरा और 2900 किलो लाहन जब्त

ग्वालियर में आबकारी विभाग का बड़ा एक्शन: 19 प्रकरण दर्ज किए गए

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर जिले में अवैध शराब के विनिर्माण, विक्रय, संग्रहण और परिवहन पर लगाम कसने के लिए आबकारी विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश, आबकारी उपायुक्त संदीप शर्मा के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 8 अक्टूबर को आबकारी विभाग की टीमों ने शहर और ग्रामीण अंचल के कई संवेदनशील ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश देकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक छापेमारी आबकारी दल ने शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों और आंतरिक इलाकों में सुनियोजित तरीके से कार्रवाई की। जिन प्रमुख स्थानों पर दबिश दी गई, उनमें: हजीरा (लाइन नंबर-1) तानसेन नगर और गुलमोहर सिटी मामा का बाजार और लाला का बाजार सेवा नगर पीताम्बरा ढाबा ग्रामीण क्षेत्र: सोसा, गुसगंवा और रणगवां शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से संग्रहित व बेची जा रही देशी मदिरा के कुल 133 पाव तथा 8 बोतल बीयर बरामद की गई। भारी मात्रा में गुड़ लाहन और मदिरा जब्त डबरा और भितरवार क्षेत्र में आबकारी विभाग को बड़ी सफलता हाथ लगी। डबरा क्षेत्र: दुबहा-दुबही और चटकना क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान



2,600 किलोग्राम गुड़ लाहन तथा 16.02 बल्क लीटर देशी मदिरा बरामद की गई। भितरवार क्षेत्र: यहां से 300 किलोग्राम गुड़ लाहन और 10.26 बल्क लीटर देशी मदिरा जब्त की गई। मौके पर ही आबकारी टीम ने गुड़ लाहन के आवश्यक नमूने (सैंपल) सुरक्षित रख लिए और शेष भारी मात्रा में मिले गुड़ लाहन को मौके पर ही फैलाकर पूरी तरह नष्ट कर दिया। 3 लाख 15 हजार रुपये है जब्त सामग्री का मूल्य इस पूरी कार्रवाई में कुल 50.22 बल्क लीटर देशी मदिरा और 5.20 बल्क लीटर बीयर (कुल 55.42 बल्क लीटर मदिरा) जब्त की गई। इसके अलावा नष्ट किए गए गुड़ लाहन और कुल जब्त सामग्री का कुल अनुमानित बाजार मूल्य करीब 3 लाख 15 हजार रुपये आंका गया है। 19 आरोपियों पर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज अवैध गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध आबकारी विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 19 प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं। यह पूरी बड़ी कार्रवाई ग्वालियर कंट्रोल रूम प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेश तिवारी के निर्देशन में सहायक जिला आबकारी अधिकारियों, आबकारी उप निरीक्षकों, मुख्य आरक्षकों, आरक्षकों और अन्य आबकारी स्टाफ की संयुक्त टीम द्वारा सफलतापूर्वक पूरी की गई। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबारियों के खिलाफ इस तरह का अभियान आगे भी निरंतर और सख्ती से जारी रहेगा।

संपादकीय

वी विल डू इट

प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक जीवन में निरंतर 25 साल सत्ता में रहने का एक कीर्तिमान, मील पत्थर स्थापित किया है। प्रधानमंत्री बनने से पहले वह निरंतर 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे।

अब देश के प्रधानमंत्री पद पर भी वह लगातार 4518 दिनों (8 अक्तूबर, 2026 तक) का नया इतिहास रच चुके हैं। यकीनन यह असाधारण उपलब्धि है। यह भारत के लोकतंत्र और जनमत की सशक्तता का भी प्रमाण है कि एक ही व्यक्ति को, सर्वोच्च कार्यकारी भूमिका के लिए, जनादेश दिया जा रहा है। वोट चोरी का शोर मचा कर इसे बौना न करें। अब इतिहास के पन्नों पर प्रधानमंत्री मोदी का भी उल्लेख होगा, लेकिन व्याख्याएं अलग-अलग की जा सकती हैं।

2024 के जनादेश के बाद भी वह 2 साल 4 माह से प्रधानमंत्री हैं। अभी उनके कार्यकाल के अढाई साल से अधिक का समय शेष है। अर्थात प्रधानमंत्री मोदी भारत के सबसे लंबे वक्त तक प्रधानमंत्री रहेंगे, यह अब तय हो गया है। इस अवसर पर उन्होंने देश को नया नारा दिया है-वी विल डू इट। यानी हम यह करके रहेंगे। यह नारा अच्छे दिन आएंगे का नया संस्करण है। 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले अच्छे दिनों के उद्घोष और आह्वान ने नई उम्मीदों, नई आकांक्षाओं, नई अपेक्षाओं को जगाया था, नतीजतन मोदी के नेतृत्व में भाजपा को पहली बार 282 सीटों का ऐतिहासिक जनादेश मिला था। राजनीतिक इतिहास में भाजपा ने अकेले दम पर बहुमत हासिल किया था।

करोड़ों भारतीयों ने अच्छे दिन महसूस किए होंगे, लेकिन करोड़ों आज भी बर्बादियों का कालखंड मानते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के घोर, कट्टर विरोधी और आलोचक भी मानते होंगे कि ये 12 साल 4 माह भारत के लिए आर्थिक और सांस्कृतिक जनादेश भी साबित हुए हैं। अब भारत में दोहरे विकल्पों, भागों, आधारों की स्थिति नहीं है। यदि अंत्योदय है, तो डिजिटल इंडिया भी है। यदि आज भी गरीबी है, तो 25 करोड़ से अधिक भारतीय गरीबी से बाहर आए हैं।

यह तथ्य विश्व बैंक, आईएमएफ और अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियां भी मानती हैं। अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को जिस हिंदूवादी, स्वदेशी, संकरे-शोषक मानस के भारत का भय और ऐसी आशंकाएं थीं, कमोबेश प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें गलत साबित किया। भारत एकतरफा और सांप्रदायिक देश नहीं है, नतीजतन आज हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 750 अरब डॉलर से अधिक का है। अब प्रधानमंत्री मोदी नए नारे के साथ 2047 में विकसित भारत का आह्वान कर रहे हैं। फिलहाल 21 लंबे साल शेष हैं। राजनीति में यह अवधि अनिश्चित होती है। प्रधानमंत्री ने तीसरे स्थान की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, वैश्विक मैन्यूफैक्चरिंग हब, अंतरिक्ष में कदम, ओलिंपिक की मेजबानी आदि के संदर्भ में हुंकार भरी और भीड़ से भरवाई है कि वी विल डू इट। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था रह चुका है और तीसरे स्थान की हुंकारें लंबे समय से भरी जा रही हैं। चुनावों में भी प्रधानमंत्री ऐसे दावे करते रहे हैं। हकीकत यह है कि हम चौथे से लुढक कर छठे स्थान पर आ गए हैं।

अमरीका और चीन की अर्थव्यवस्थाएं इतनी विराट और व्यापक हैं कि भारत चुनौती देने की सोच भी नहीं सकता। जर्मनी और जापान की विकसित अर्थव्यवस्थाएं भी हमसे आगे हैं। प्रति व्यक्ति आय में ही कई गुना के फासले हैं। यदि भारत की जीडीपी एक ट्रिलियन डॉलर बढ़ेगी, तो जर्मनी 2 ट्रिलियन डॉलर विकसित होगी। वह आज भी एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक हमसे आगे है।

वैसे भी 2030 तक भारत जर्मनी को लांघ नहीं सकता, ये आकलन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और एजेंसियों के हैं। भारत फिलहाल एशिया में भी मैन्यूफैक्चरिंग हब नहीं है। यह रुतबा चीन को हासिल है। वैश्विक बनना तो महज गालबजाई है। मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में हालिया गिरावट और भारतीय जीडीपी में उसका योगदान कम होना चिंताजनक तथ्य है। प्रधानमंत्री के कुछ आह्वानों, आयामों के बूते ही वी विल डू इट को हासिल नहीं किया जा सकता।

ढाई दशक के सख्त फैसलों ने मोदी को बनाया मजबूत नेतृत्वकर्ता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

> नरेन्द्र मोदी सरकार ने राममंदिर का निर्माण कराकर स्पष्ट संदेश दे दिया कि भाजपा के नारे या वादे खयाली पुलाव नहीं होते। बिना किसी विवाद के राममंदिर विवाद का निपटारा बहुत बड़ी उपलब्धी मानी जानी चाहिए। तीन तलाक का बिल पारित कराना अपने आप में मुश्किल भरा काम था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को राजनीतिक नेत्त्व में ३३ प्रतिशत आरक्षण महिला सशक्तिकरण का बड़ा निर्णय माना जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ढाई दशक की अनवरत राजनीतिक नेतृत्व यात्रा के दौरान लिए गए एक से एक चौंकाने वाले फैसलों ने मोदी को मोदी बनाया है। आज मोदी विश्व के सर्वाधिक भरोसेमंद नेताओं में से एक हैं। सामने वाले को भी यह भय सताये रहता है कि पता नहीं मोदी क्या स्टैंड लेकर क्या का क्या कर डालेंगे। यही कारण है कि चाहे डोनाल्ड ट्रम्प हो, पुतिन हो या फिर शी जिंनपिंग, भारतीय प्रधानमंत्री को हल्के में नहीं ले पाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की 100 प्रतिशत टैरिफ की धमकी के आगे भारत नहीं झुका है तो रुस से कच्चे तेल का आयात जारी है। मालदीव का उदाहरण सामने है जब नरेन्द्र मोदी ने भारत के द्वीप पर केवल कुर्सी लगाकर बैठकर ही मालदीव को हिला कर रख दिया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रुप में करीब 13 साल और देश के प्रधानमंत्री के रुप में 12 साल से कुछ अधिक के समय में लिए गए निर्णयों से समूचे विपक्ष को धीरे से लेकिन जोर का झटका देते रहे हैं। हो यह रहा है कि नरेन्द्र मोदी पर जो भी वार किया जाता है वही वार नरेन्द्र मोदी की ताकत बन जाता है। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते गोदारा कांड की बात हो या फिर चौकीदार चोर से लेकर वोट चोरी तक की हो, प्रतिपक्ष का हर वार ना केवल खाली गया है अपितु प्रतिपक्ष के लिए सेल्फ गोल बनकर रह गया। देश आज आंतरिक और बाहरी दोनों ही क्षेत्रों में सर्वोपरि होकर उभरा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्रित्व काल में ही अपने दूरगामी निर्णयों से विशिष्ट पहचान बना ली थी। चाहे वह गोदारा कांड हो या फिर गुजरात भूकंप और उसके बाद विनाशकारी भूकंप प्रभावित क्षेत्र में पुनर्निर्माण के कार्य, नर्मदा के अतिरिक्त पानी को पाइपलाइन के माध्यम से उत्तरी गुजरात और सौराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था, स्वच्छ भारत का सपना भी गुजरात के रास्ते ही आया है तो कृषि और घरेलू जरुरत की बिजली की व्यवस्था को अलग अलग कर 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराना अपने आप में बड़ी बात है। वाईब्रेंट गुजरात समिट को देशी-विदेशी निवेश को सिंगल विण्डो सिस्टम के माध्यम से साकार करना किसी दूरगामी सोच का ही परिणाम है। आज देश के अनेक राज्यों में निवेश सम्मेलन होने लगे हैं और ईज ऑफ डूइंग के बावजूद गुजरात समिट को मॉडल समिट माना जाता है। आज का मेक इन इंडिया इसी का विस्तार है।

जहां तक प्रधानमंत्री बनने के बाद के निर्णयों का सवाल है तो कूटनीति और विदेश नीति के मौर्चे पर आज भारत की तूती बोलती है। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिन्दूर ने समूची दुनिया के सामने भारत के रण कौशल की धाक जमा दी और इसका परिणाम यह रहा कि पाकिस्तान के पक्ष में आवाज उठाने की हिम्मत अन्य देशों में नहीं रही। कहने को तुर्किए पाकिस्तान के पक्ष में गाहे-बेगाहे बोलता है पर उसका असर नगण्य है। ब्रिक्स के माध्यम से आज भारत दुनिया के देशों का नेतृत्व कर रहा है तो अमेरिकी डॉलर को चुनौती देने की शुरूआत भारत के नेतृत्व में दुनिया के देश करने लगे हैं। देर-सबेर यह हालात होंगे ही। समान नागरिकता कानून और कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाकर कश्मीर को देश की मुख्यधारा से जोड़ना लगभग असंभव काम हो सका है।

आर्थिक क्षेत्र में आज भारत दुनिया की प्रमुख ताकत बनकर उभरा है। एक राष्ट्र एक कर जीएसटी विपक्ष के लाख विरोध के बावजूद आज इकोनोमी का प्रमुख हिस्सा बन चुकी है। नोटबंदी का लाख विरोध हुआ और जनधन, आधार और मोबाइल यानी की जाम का असर साफ दिखाई दे रहा है। आज मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में भारत अग्रणी देश हो गया है। मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल ने असर दिखाया है तो सुधार प्रयासों का ही परिणाम है हमारे देश से आज सामरिक महत्व के उत्पादों का निर्यात होने लगा है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना ने एमएसएमई को नई ताकत दी है।

न्यायिक क्षेत्र के सुधार सामने हैं। पुराने अनावश्यक कानूनों को हटाया गया है तो आज के संदर्भ में नई भारतीय न्याय संहिता लागू की है। चार श्रम कानूनों के माध्यम से श्रमिकों के भविष्य को संवारने का काम किया गया है।

नरेन्द्र मोदी सरकार ने राममंदिर का निर्माण कराकर स्पष्ट संदेश दे दिया कि भाजपा के नारे या वादे खयाली पुलाव नहीं होते। बिना किसी विवाद के राममंदिर विवाद का निपटारा बहुत बड़ी उपलब्धी मानी जानी चाहिए। तीन तलाक का बिल पारित कराना अपने आप में मुश्किल भरा काम था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को राजनीतिक नेत्त्व में 33 प्रतिशत आरक्षण महिला सशक्तिकरण का बड़ा निर्णय माना जाना चाहिए। कोविड 2019 के दौरान भारत द्वारा किये गये प्रबंधन को वैश्विक सहयोग को दुनिया के कई देशों द्वारा सराहा गया। आयुष्मान भारत, कृषि और कृषक सम्मान के निर्णय, पीएम गरीब कल्याण योजना या इसी तरह के कार्यक्रमों और निर्णयों की लंबी फेहरिस्त हो जाती है।

सवाल यह नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 साल के अपने राजनीतिक नेतृत्व के दौरान क्या किया। सवाल यह है कि आज भारत दुनिया के देशों का पिछलग्गू ना होकर दुनिया भारत की ओर देखने लगी है। भारत अपने स्तर पर अपनी आवश्यकताओं और संप्रभुता बनाये रखते हुए निर्णय लेता है। नरेन्द्र मोदी द्वारा मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री रहते जो कठोर निर्णय लिए गए हैं उनमें से अधिकांश दुधारी निर्णय रहे हैं और खास बात यह है कि चुनावों में जनता द्वारा उन पर मुहर लगाई जा रही है। इसलिए विपक्ष लाख आलोचना करे पर इसमें दो राय नहीं कि 25 साल की यात्रा और विपक्ष के तीखे हमलों के बावजूद नरेन्द्र मोदी जनता के भरोसे पर खरे उतर रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह कि निर्णय करना और खासतौर से कठोर निर्णय जोखिम भरा होता है पर प्रत्येक कठोर निर्णय के बाद नरेन्द्र मोदी और अधिक निखर के आये हैं।

भारत ने अंतरिक्ष के द्वार निजी क्षेत्र के लिए क्यों खोले ?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की वैज्ञानिक प्रगति ने देश में नया आत्मविश्वास पैदा किया है, जो उसकी बढ़ती वैश्विक स्थिति और युवाओं को उपलब्ध अवसरों में दिखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश ₹हम यह कर सकते हैं₹ आज इसी भाव का प्रतीक है। भारत अब दुनिया का अनुसरण करने वाले चरण से आगे बढ़कर दुनिया के साथ कदम मिला रहा है और कई क्षेत्रों में आगे भी है। यह सफर तकनीक के विवेकपूर्ण उपयोग के साथ ही सार्थक है। प्रौद्योगिकी को मानव क्षमता का स्थान नहीं लेना चाहिए, उसे मजबूत करना चाहिए। यही दृष्टि अंतरिक्ष क्षेत्र पर भी लागू होती है, जहां निजी भागीदारी का उद्देश्य जिज्ञासा और वैज्ञानिक खोज की भावना को और बल देना है।



दशकों तक भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम सरकारी संस्थाओं की सीमाओं में चलता रहा। इसरो ने सीमित संसाधनों में चंद्रयान और मंगलयान जैसी उपलब्धियां हासिल कीं पर देश की युवा प्रतिभाओं के लिए अवसर गिने-चुने थे। मोदी सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलकर इसी ठहराव को तोड़ने का साहसिक निर्णय लिया। वाराणसी में नमो बुक फेस्ट के दौरान छात्रों से संवाद में रखे गए तथ्य और तर्क बताते हैं कि यह निर्णय कितना दूरदर्शी सिद्ध हुआ है।

वस्तुतः इस निर्णय का सबसे बड़ा लाभ मानव संसाधन के मोर्चे पर दिखता है। पहले घरेलू अंतरिक्ष इकोसिस्टम में अवसर सीमित थे इसलिए अनेक युवा पेशेवर विदेश की ओर देखते थे। क्षेत्र खुलने के बाद अधिक प्रतिभाएं देश में रहकर भारत के बढ़ते अंतरिक्ष तंत्र में योगदान दे पा रही हैं। यह तो हमें ही समझना होगा कि एक इंजीनियर को प्रशिक्षित करने में देश का सार्वजनिक धन और संस्थागत श्रम लगता है। वही इंजीनियर जब विदेशी कंपनियों के लिए काम करता है तो उसका लाभ दूसरे देश को मिलता है। निजी क्षेत्र के खुलने से यह प्रवाह थमा और स्काईरूट जैसे अंतरिक्ष स्टार्टअप युवा इंजीनियरों को अपने ही देश में चुनौतीपूर्ण काम और नवाचार का मंच दे रहे हैं।

इसके अतिरिक्त हमें समझना यह भी है कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था अब लगभग नौ बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुकी है। यदि मौजूदा गति बनी रही, तो अगले 8-10 वर्षों में यह 45-46 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है यानी लगभग पांच गुना विस्तार। इस वृद्धि का श्रेय क्षेत्र को खोलने और हितधारकों की व्यापक श्रृंखला को जोड़ने को दिया जा रहा है। यह तर्कसंगत भी है क्योंकि एक संस्था पर सारा भार होने की स्थिति में विकास की गति उसकी क्षमता से बंध जाती है। निजी कंपनियां पूंजी, प्रतिस्पर्धा और नई तकनीकी सोच लेकर आती हैं। इससे लॉन्च, उपग्रह निर्माण और डेटा सेवाओं जैसे क्षेत्रों में नए उद्यम उभरते हैं, रोजगार बढ़ता है और भारत वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में बड़ा खिलाड़ी बनने की स्थिति में आता है।

दूसरी ओर इस निर्णय का विरोध करने वालों की आशंकाएं स्वाभाविक हैं पर उनका उत्तर तथ्यों और व्यवस्था के स्वरूप में मौजूद है। पहली आशंका जो दिखती है, वह है कि क्या इसरो की भूमिका कमजोर होगी? जबकि ऐसा नहीं है। निजी भागीदारी सरकारी संस्थान का विकल्प कैसे हो सकती है, हां, उसका पूरक अवश्य बन सकती है। इसरो रणनीतिक और अनुसंधान मिशनों का नेतृत्व जारी रखेगा ही, जबकि वाणिज्यिक और सेवा आधारित कामों का बोझ निजी क्षेत्र उठा सकता है। इससे इसरो के संसाधन और वैज्ञानिक प्रतिभा गहरे अनुसंधान और बड़े मिशनों पर केंद्रित हो पाएंगे। एक आशंका, राष्ट्रीय सुरक्षा और सरकारी नियंत्रण पर पड़ने वाले असर से जुड़ी है, जिसमें कहा जा रहा है कि निजी क्षेत्र का मतलब नीतिगत नियंत्रण का अभाव है, जबकि सरकार नीति, नियमन और बुनियादी ढांचे की भूमिका में बनी रहती है। वास्तव में यह सोच सही इसलिए नहीं है क्योंकि सबकुछ अंततः सरकार के नियंत्रण में ही रहता है। इसी प्रकार यह कहना कि निजी कंपनियां केवल मुनाफे पर ध्यान देंगी, राष्ट्रीय हित पर नहीं- इसका उत्तर भारत का अपना अनुभव है। चंद्रयान-3 ने दिखाया कि देश उल्लेखनीय लागत दक्षता के साथ परिष्कृत मिशन चला सकता है। यही दक्षता निजी उद्यमों के साथ जुड़कर भारत को किफायती और विश्वसनीय वैश्विक साझेदार बनाती है।

जैव प्रौद्योगिकी में कोविड-19 के विरुद्ध दुनिया के पहले डीएनए टीके का विकास यह भी दिखाता है कि नीतिगत समर्थन मिलने पर भारतीय संस्थान और उद्योग राष्ट्रीय उपलब्धि में बदल सकते हैं। इसी तरह से बात जब लाभ की होती है और कहा जाता है कि कुछ बड़े समूहों तक ही यह सीमित रहेगा? यहां स्टार्टअप की भूमिका निर्णायक है। स्काईरूट जैसे नवोदित उद्यमों का उदय बताता है कि अवसर बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित नहीं हैं। छोटे शहरों और संस्थानों से निकले युवा इंजीनियरों के लिए भी अब अपना उद्यम खड़ा करने का मार्ग खुला है।

अंततः फिर भी जो सवाल उठाते हैं, उनसे पूछा जाए कि फिर आपके पास विकल्प क्या है, समाधान बताएं, प्रश्न ही न करें। वस्तुतः यही वास्तविकता है कि यदि क्षेत्र बंद रहता तो प्रतिभा विदेश जाती रहती, अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था की संभावनाएं एक संस्था की क्षमता में सिमटी रहतीं और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत पिछड़ने का जोखिम उठाता रहता। ऐसे में कहना यही है कि सरकार की दृष्टि स्पष्ट है, सरकारी संस्थानों, निजी उद्योग, स्टार्टअप, शिक्षाविदों और शोध संस्थानों को साझा लक्ष्य के लिए मिलकर काम करना होगा। अक्सर अलग-अलग दीवारों में बंद रहकर काम करने से संसाधनों का दोहराव होता है और ज्ञान का प्रवाह रुकता है। जब सरकार नीति और बुनियादी ढांचा देती है, उद्योग गति और नवाचार लाता है और शिक्षा जगत अनुसंधान तथा कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराता है तब ऐसी क्षमताएं बनती हैं जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। पिछले 12-13 वर्षों को भारत में ₹विज्ञान का युग₹ कहा जा रहा है। देश के पास दशकों से वैज्ञानिक प्रतिभा थी, पर उसे राष्ट्रीय क्षमता में बदलने वाला सक्षम नीतिगत वातावरण हाल के वर्षों में मजबूत हुआ है। अंतरिक्ष क्षेत्र का उद्घाटन इसी व्यापक सोच का हिस्सा है, जिसमें डीप ओशन मिशन, क्वांटम मिशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन जैसी पहलें भी शामिल हैं। इसका प्रमाण अनुसंधान पर बढ़ते निवेश में भी दिखता है। देश का सकल अनुसंधान एवं विकास व्यय (जीईआरडी) 2013-14 के लगभग 46,000-47,000 करोड़ रुपये से बढ़कर अब लगभग 2-2.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी क्रम में परमाणु क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोला गया है और 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा गया है, जो एआई और डेटा केंद्रों जैसी भविष्य की जरूरतों के लिए स्वच्छ ऊर्जा का स्रोत बनेगा।

भारत की वैज्ञानिक प्रगति ने देश में नया आत्मविश्वास पैदा किया है, जो उसकी बढ़ती वैश्विक स्थिति और युवाओं को उपलब्ध अवसरों में दिखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश ₹हम यह कर सकते हैं₹ आज इसी भाव का प्रतीक है। भारत अब दुनिया का अनुसरण करने वाले चरण से आगे बढ़कर दुनिया के साथ कदम मिला रहा है और कई क्षेत्रों में आगे भी है। यह सफर तकनीक के विवेकपूर्ण उपयोग के साथ ही सार्थक है। प्रौद्योगिकी को मानव क्षमता का स्थान नहीं लेना चाहिए, उसे मजबूत करना चाहिए। यही दृष्टि अंतरिक्ष क्षेत्र पर भी लागू होती है, जहां निजी भागीदारी का उद्देश्य जिज्ञासा और वैज्ञानिक खोज की भावना को और बल देना है। हम उम्मीद करें कि आगे की सफलता निरंतर सहयोग, युवाओं के लिए अधिक अवसरों और वैज्ञानिक क्षमता को नवाचार तथा आर्थिक अवसर में बदलने पर निर्भर करेगी। विकसित भारत का लक्ष्य सामूहिक भागीदारी से ही प्राप्त होगा यह सुनिश्चित है इसलिए अंतरिक्ष के द्वार खोलना इसी दिशा में उठाया गया मोदी सरकार का ठोस कदम है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत शिविर आयोजित

कमिश्नर, कलेक्टर, ने ग्रामीणों से किया संवाद, समस्याओं के निराकरण के दिए निर्देश

■ एक सत बुलेटिन, **सीहोर**

सीहोर विकासखंड के ग्राम बरखेड़ा हसन में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान तथा सेवा संकल्प अभियान के तहत शिविर एवं भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक श्री सुदेश राय, भोपाल संभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा, खनिज विभाग के प्रमुख सचिव श्री विवेक पोरवाल, कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा पुलिस अधीक्षक श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने सहभागिता की। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने ग्रामवासियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। शिविर में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। अधिकारियों ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। सीहोर विधायक श्री सुदेश राय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनता के कल्याण और प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। विधायक श्री राय ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनहित में आयोजित शिविरों के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का



समाधान करने और उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के शिविरों से आमजन की समस्याओं का होगा त्वरित निराकरण - संभाग आयुक्त भोपाल संभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित किए जाने वाले शिविरों के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना तथा आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करना है। शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं सीधे जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलता है। संभाग आयुक्त श्री शर्मा ने कहा कि अभियान के तहत विभिन्न विभागों के अधिकारियों की सहभागिता से नागरिकों की समस्याओं को समझ कर उनके निराकरण की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे तथा आमजन को शासकीय सेवाओं का लाभ सरलता और सुगमता से मिले। इसके लिए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करना चाहिए। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत ग्राम बरखेड़ा हसन में आयोजित शिविर में भोपाल संभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा, कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा पुलिस अधीक्षक श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने ग्रामवासियों से एक-एक कर संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्राप्त समस्याओं पर प्राथमिकता से कार्रवाई करते हुए उनका समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

जन-समस्याओं का त्वरित एवं सुगम निराकरण अभियान का प्रमुख उद्देश्य : कलेक्टर मिश्रा

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने का सशक्त माध्यम है मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशील एवं दूरदर्शी सोच से प्रारंभ यह अभियान नागरिकों की समस्याओं के समाधान और योजनाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। श्रीमती गौर शुक्रवार को गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। श्रीमती गौर ने कहा कि 7 अगस्त से प्रारंभ हुए अभियान के अंतर्गत प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित शिविर जनकल्याण का माध्यम बन रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएँ सीधे प्रशासन के समक्ष रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार निःस्वार्थ भाव से समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान सरकार की इसी प्रतिबद्धता और सुशासन की भावना को



साकार कर रहा है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या को संवेदनशीलता से सुनें और उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक सुगमता से पहुँचे और नागरिकों को अपनी समस्याओं के निराकरण में अनावश्यक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े। श्रीमती गौर ने कहा कि गोविंदपुरा क्षेत्र में एम्स चिकित्सालय, ग्लोबल स्किल्स पार्क, सांदीपनी विद्यालय और भेल संस्थान क्षेत्र की प्रगति के महत्वपूर्ण संकेतक हैं। स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, कौशल विकास और औद्योगिक गतिविधियों से जुड़ी ये संस्थाएँ क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि आगामी समय में अयोध्या बायपास पर आकार लेने वाला 10 लेन मार्ग प्रदेश की विशिष्ट पहचान बनेगा। साथ ही नगर निगम द्वारा सीवेज नेटवर्क का निर्माण कराया जा रहा है। इन अधोसंरचना कार्यों से क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। जन-समस्याओं का निराकरण और क्षेत्र का समग्र विकास प्राथमिकता : कलेक्टर श्री मिश्रा कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का मूल उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुगम बनाकर आमजन तक शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी ढंग से पहुँचाना है। योजनाओं के त्वरित एवं सुगम क्रियान्वयन तथा जन-समस्याओं के स्थल पर ही समाधान के लिए इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे शिविरों में अपने आवेदनों का पंजीयन अवश्य कराएँ, ताकि उनका त्वरित और व्यवस्थित निराकरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा रेखांकित जन-समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। कलेक्टर श्री मिश्रा ने बताया कि हाल ही में जारी भोपाल के ड्राफ्ट मास्टर प्लान में गोविंदपुरा क्षेत्र के समग्र विकास से संबंधित अनेक प्रस्ताव समाहित किए गए हैं। इनमें स्किल्स पार्क, औद्योगिक क्षेत्र तथा शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े विकास कार्यों के प्रस्ताव शामिल हैं। कार्यक्रम में राज्यमंत्री पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों श्रीमती गिरजा राय, श्री संजीव कुमार मालवीय, श्री अशोक परमार, श्री प्रवेश कन्हारे, सुश्री सीमा परमार और श्री केवल बारके को हितलाभ वितरित किए।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



जनगणना-2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) की तैयारियों के संबंध में भोपाल जिले के चार्ज अधिकारियों एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन 05-06 अक्टूबर तथा 08-09 अक्टूबर 2026 को किया गया। इसमें संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारियों ने सहभागिता की प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जनगणना के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) के उपरांत तथा द्वितीय चरण के प्रारंभ होने से पूर्व की जाने वाली आवश्यक तैयारियों एवं कार्यवाहियों के संबंध में अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना था। प्रशिक्षण के दौरान आगामी जनसंख्या गणना के सुचारु संचालन के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में निर्धारित गणना ब्लॉकों की समीक्षा, बड़े गणना ब्लॉकों को आवश्यकता के अनुसार उप-ब्लॉकों में विभाजित करने, जनसंख्या एवं संभावित कार्यभार के आधार पर कार्य का संतुलित वितरण सुनिश्चित करने तथा प्रगणकों, पर्यवेक्षकों एवं अन्य आवश्यक कार्मिकों की संख्या का पूर्व आकलन करने की प्रक्रिया समझाई गई। इसके साथ ही गणना ब्लॉकों के प्रस्तावित विभाजन से पूर्व क्षेत्रीय सत्यापन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को क्षेत्र की वास्तविक स्थिति, जनसंख्या, सड़कों, गलियों तथा अन्य भौगोलिक सीमाओं के आधार पर गणना ब्लॉकों के उचित निर्धारण के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा एवं विशेष अभियान 6.0 के तहत रेलवे परिसरों में चलेगा विशेष स्वच्छता अभियान

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा एवं विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत दिनांक 09 एवं 10 अक्टूबर 2026 को विशेष स्वच्छता गतिविधि आयोजित की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखना तथा सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक रूप से लगाए गए पोस्टर, बैनर, होर्डिंग एवं दीवारों पर किए गए लेखन को हटाकर स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत भोपाल मंडल के सभी संबंधित विभागों द्वारा रेलवे स्टेशनों, सबवे, रेलवे की चारदीवारी, रेलवे कॉलोनियों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए अनावश्यक





पोस्टर, बैनर एवं होर्डिंग हटाए जाएंगे। इसके साथ ही दीवारों पर किए गए अनधिकृत लेखन तथा गुटखा थूकने से बने दाग-धब्बों की सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि इस अभियान में सभी संबंधित विभागों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों को स्वच्छ और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। रेल प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों से अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने तथा स्वच्छता के प्रति निरंतर जागरूकता बनाए रखने का आह्वान किया है।

भारत भवन से आज से शुरू होगा दो दिवसीय बुकारू चिल्ड्रन्स लिट्रेचर फेस्टिवल

देश-विदेश के 24 लेखक, चित्रकार और कहानीकार बच्चों से करेंगे संवाद

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

बच्चों की कल्पनाओं को पंख देने, उनकी सृजनात्मकता को नई उड़ान प्रदान करने और उन्हें स्क्रीन की आभासी दुनिया से निकाल पुस्तकों के जीवंत संसार से जोड़ने के उद्देश्य से बहुकला केंद्र भारत भवन में शनिवार, 10 अक्टूबर से दो दिवसीय 'बुकारू फेस्टिवल ऑफ चिल्ड्रन्स लिटरेचर' का आयोजन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित यह उत्सव बाल साहित्य, कला, कहानी और कल्पनाशीलता के विविध रंगों से बच्चों को परिचित कराएगा। फेस्टिवल की जानकारी शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं भारत भवन के न्यासी सचिव शिवशेखर शुक्ला, समारोह के संयोजक वेंकटेश मुथुस्वामी तथा



स्वाती राय ने दी। संयोजक वेंकटेश मुथुस्वामी ने बताया कि यह आयोजन मुख्य रूप से 4 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए तैयार किया गया है। बच्चों की उम्र और रुचि को ध्यान में रखते हुए सभी गतिविधियों को पांच आयु वर्गों में विभाजित किया गया है, ताकि प्रत्येक बच्चा अपनी कल्पनाशीलता और जिज्ञासा के अनुरूप उत्सव का हिस्सा बन सके। उत्सव में कहानी ट्री, ऑडिटोरियम सत्र, रचनात्मक कार्यशालाएं और डूडल वॉल जैसी गतिविधियां बच्चों को साहित्य से सहज और रोचक ढंग से जोड़ेंगी। कुल 42 सत्रों में देश-विदेश के लगभग 24 लेखक, चित्रकार, कहानीकार और अन्य रचनाकार बच्चों से संवाद करेंगे। अहमदाबाद की आरती खटवानी भाटिया, करीमनगर के आफताब यूसुफ शेख, बेंगलुरु की अलंकृता अमाया, भोपाल के अतुल वाधवानी और पूजा बापट सहित विभिन्न शहरों के साहित्यकार एवं रचनाकार इसमें सहभागिता करेंगे। डेनमार्क, पुर्तगाल और नीदरलैंड से भी वक्ता इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। दिल्ली, मुंबई और गुरुग्राम के प्रतिभागी भी बच्चों के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे। भारत भवन के न्यासी सचिव शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि उत्सव का मूल उद्देश्य बच्चों में पठन-पाठन की आदत विकसित करना, उनकी बौद्धिक क्षमता को प्रोत्साहित करना और उन्हें आभासी दुनिया से वास्तविक अनुभवों की ओर ले जाना है। पुस्तकों के माध्यम से बच्चों में विचार, संवेदना और कल्पनाशक्ति का विस्तार संभव है। उल्लेखनीय है कि भारत भवन में इस उत्सव का आयोजन दूसरी बार किया जा रहा है। इससे पहले वर्ष 2019 में यहां बुकारू फेस्टिवल आयोजित हुआ था।

फैशन, व्यक्तित्व और रचनात्मकता के संगम में प्रतिभागियों ने अपने हुनर और आत्मविश्वास से लोगों का ध्यान आकर्षित किया

रैंप पर बिखरे फैशन के रंग, ग्लेम-2026 में 55 प्रतिभाओं ने दिखाया हुनर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

रैंप पर आत्मविश्वास से भरे कदम, आकर्षक परिधानों की चमक और प्रतिभा के शानदार प्रदर्शन के बीच 'मिस/मिस टीन एंड मिस्टर मध्यप्रदेश ग्लेम-2026', 'मिस भोपाल ग्लेम-2026' एवं 'लिटिल स्टार मिस इंडिया' का ग्रैंड फिनाले होटल हयात में आयोजित किया गया। फैशन, व्यक्तित्व और रचनात्मकता के इस संगम में प्रतिभागियों ने अपने हुनर और आत्मविश्वास से उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। समारोह के मुख्य अतिथि एक्सीलेंसी टाइम एंटरटेन्मेंट के प्रबंध संचालक और सेलिब्रिटी प्रमोटर हरिओम जटिया ने विजेताओं को क्राउन पहनाकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में 55





मॉडल्स प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। फैशन शो को चार चरणों में विभाजित किया गया था। पहले चरण में इंडियन ब्राइडल, दूसरे में वेस्टर्न, तीसरे में परफॉर्मेंस और चौथे चरण में रेड कार्पेट ड्रेसेस के साथ प्रश्नोत्तर राउंड आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने आकर्षक परिधानों, मंच पर प्रभावशाली प्रस्तुति और सहज अभिव्यक्ति के माध्यम से निर्णायकों को प्रभावित करने का प्रयास किया। कार्यक्रम में मॉडल्स ने नृत्य प्रस्तुतियां देकर आयोजन में रंग और उत्साह का संचार भी किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करना, उनके व्यक्तित्व को निखारना और फैशन जगत में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। प्रतियोगिता में मिस/मिस टीन मध्यप्रदेश ग्लेम श्रेणी में मिस कशिश किसनानी और मिस अनुष्का त्रिपाठी विजेता रहीं। मिस सृष्टि सधया और निकिता सिंह ने प्रथम रनर-अप, जबकि मिस अमृता चौधरी और निहारिका पालिवाल ने द्वितीय रनर-अप का स्थान प्राप्त किया। मिस भोपाल ग्लेम श्रेणी में मिस तुलसी देशमुख विजेता बनीं। मिस आयुषी प्रथम रनर-अप और मिस राधिका मिश्रा द्वितीय रनर-अप रहीं। वहीं, लिटिल स्टार मिस इंडिया श्रेणी में मिस व्याख्या खरे ने विजेता का खिताब हासिल किया। मिस सोनाक्षी राठौर प्रथम रनर-अप और मिस कियारा मिटना द्वितीय रनर-अप रहीं। कार्यक्रम में शो डायरेक्टर जहीर खान के साथ निर्णायक मंडल में प्रियंका नंदा, नावेद खान, सपना सिंह परमार, प्रवीण श्रीवास्तव, तृषा सक्सेना और पूर्वा बिसेन शामिल रहे।



क्या फिल्म का हिस्सा होंगे तमिल अभिनेता अर्जुन दास

तमिल अभिनेता अर्जुन दास ने बताया है कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने उन्हें 'डॉन 3' के लिए अप्रोच किया था। हालांकि अभिनेता ने अपने किरदार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने कन्फर्म किया कि वह फरहान से मिले थे और प्रोजेक्ट पर बातचीत भी हुई थी।

फरहान ने अर्जुन को किया फोन

बातचीत में अर्जुन ने कहा, 'मैं बहुत खुशकिस्मत था कि मुझे फरहान सर का कॉल आया। हम मिले थे, हमने बातचीत भी की थी, लेकिन बदकिस्मती से अब यह कोलैबोरेशन नहीं हो रहा है।'

अभिनेता ने जताई उम्मीद

भले ही यह प्रोजेक्ट सफल नहीं हो पाया, लेकिन अर्जुन को उम्मीद है कि वे भविष्य में फरहान के साथ काम करेंगे।

फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है और मैं आशा करता हूं कि मुझे जल्द ही फरहान सर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मुझे लगता है कि वह अब तक मिले सबसे अच्छे और विनम्र लोगों में से एक हैं। तो हां, मैं इस बारे में झूठ नहीं बोलना चाहता। यह कोलैबोरेशन होने वाला था, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है।' इसी बातचीत के दौरान अर्जुन ने यह भी बताया कि वे जल्द ही एक हिंदी प्रोजेक्ट में नजर आएंगे, जो अभी पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है।

कब हुई फिल्म की घोषणा

'डॉन 3' की घोषणा आधिकारिक तौर पर 2023 में की गई थी, जिसमें रणवीर सिंह को कास्ट करने की बात हो रही थी। हालांकि, बार-बार देरी के कारण फिल्म डेवलपमेंट स्टेज में ही अटकी रही और प्रोडक्शन अभी शुरू भी नहीं हो पाया था। फरहान अख्तर 'डॉन' फ्रेंचाईजी की तीसरी फिल्म का निर्देशन करने वाले थे। रितेश सिधवानी और फरहान इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस करने वाले थे। मगर दिसंबर 2025 तक, रणवीर इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं रहे।



कॉप के किरदार में नजर आएंगी शीना चौहान

अभिनेत्री शीना चौहान की तेलुगु साइकोलॉजिकल इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' रिलीज के लिए लेकर तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में कॉप की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके साथ अभिनेता जेडी चक्रवर्ती नजर आ रहे हैं।

अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, ''जातस्य मरणं ध्रुवम' शूटिंग के दौरान जेडी चक्रवर्ती के साथ एक स्पेशल पल। कुछ किरदार कैमरा बंद होने के बाद भी आपके साथ रह जाते हैं। आईपीएस ऑफिसर और कॉप का किरदार निभाना बहुत ही शानदार रहा! आप सब क्या देखने वाले हैं, इसके लिए मैं और इंतजार नहीं कर सकती।'

श्रवण जोन्नादा द्वारा निर्देशित फिल्म का शीर्षक भगवद्गीता के एक प्रसिद्ध श्लोक से प्रेरित है, जिसका अर्थ है 'जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है।' फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत मशहूर संगीतकार गिब्रान ने तैयार किया है जबकि फिल्म का निर्माण सुलक्ष एंटरटेनमेंट मीडिया के बैनर तले मलकापुरम शिव कुमार कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेत्री शीना चौहान के साथ जेडी चक्रवर्ती, नरेश अगस्त्य, सीरत कपूर, शीना चौहान, प्रीति जंघियानी, हितेन तेजवानी और राजेश शर्मा जैसे उम्दा कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में जेडी चक्रवर्ती एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अभिनेत्री शीना चौहान उनकी असिस्टेंट पुलिस अधिकारी 'अनुषा' के रोल में एक्शन और मार्शल आर्ट्स का दम दिखाती नजर आएंगी। यह फिल्म रहस्य, सस्पेंस, अप्रत्याशित ट्विस्ट, फॉरेंसिक सुरागों और मानसिक माइंड गेम्स से भरपूर एक गहन खोजी कहानी है। फिल्म की कहानी एक मर्डर के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दर्शकों को चौंकाने वाले ट्विस्ट देखने को मिलेंगे।

यह फिल्म तेलुगु भाषा के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज के लिए तैयार की गई है। तेलुगु थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' सितंबर-अक्टूबर 2026 के बीच सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए निर्धारित की गई है। फिल्म के निर्देशक श्रवण जोन्नादा ने हाल ही में पुष्टि की है कि वे इस अवधि के दौरान एक बड़े पैमाने पर फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।



प्रियंका चोपड़ा ने फहद फासिल की फिल्म को दिया अपना समर्थन, दर्शकों से की ये गुजारिश

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने फहाद फासिल की तेलुगु फिल्म 'डोंट ट्रबल द ट्रबल' को अपना समर्थन दिया है। इस फिल्म को एसएस कार्तिकेय ने प्रोड्यूस किया है और एसएस राजामौली ने इसे पेश किया है। जैसे ही फिल्म ने 2 अक्तूबर को बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की, अभिनेत्री ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया और लिखा, 'इसे दुनिया के सामने आते देखकर बहुत खुशी हो रही है! कार्त, तुम्हें और 'डोंट ट्रबल द ट्रबल' की पूरी टीम को ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं।



क्या है फिल्म की कहानी

'डोंट ट्रबल द ट्रबल' में फहाद फासिल ने सूरी नाम के एक जादूगर का रोल किया है। उसकी दोस्ती सारा पालेकर नाम की एक युवा लड़की से हो जाती है। कहानी में एक फैंटेसी मोड़ तब आता है, जब उस लड़की में अलौकिक शक्तियां आ जाती हैं। पता चलता है कि वह एक जिन्न है जो इच्छाएं पूरी कर सकती है। यह फिल्म शशांक येलेटी के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। 'एनिमल' फिल्म के कलाकार सौरभ सचदेवा ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। इस फिल्म में फैंटेसी, एडवेंचर है। इसे परिवार के साथ देखने लायक बनाया गया है।

'वाराणसी' में प्रियंका

वहीं, प्रियंका चोपड़ा जोनास एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' के साथ भारतीय सिनेमा में अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र के रोल में, प्रियंका चोपड़ा जोनास मंदाकिनी के रोल में और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभ के रोल में नजर आएंगे। राजामौली ने बताया है कि कहानी वाराणसी से शुरू होकर अंटार्कटिका, अफ्रीका और प्राचीन रोम तक जाएगी और फिर वापस अपनी शुरुआती जगह पर लौटेगी।

'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' में दिखेगा तनीषा मुखर्जी का अनोखा सफर

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी एक बार फिर स्क्रीन पर वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की अपकमिंग फिल्म 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' में नजर आएंगी। फिल्म में तनीषा ऐसा किरदार निभा रही हैं जो जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है।

फिल्ममेकर कपिल ने तनीषा की तारीफ करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री की जरूरत थी जो कहानी में भावनाओं की गहराई और संवेदनशीलता ला सके। कपिल कौस्तुभ शर्मा ने कहा, ''तनीषा एक ऐसी एक्टर हैं, जिनमें एक खास तरह की भावनात्मक समझ है और इस किरदार के लिए यह बहुत जरूरी थी। कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि इस सफर को कोई पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ पर्दे पर उतारे।''

कपिल ने आगे कहा, ''फिल्म 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' मेरे लिए बेहद खास है। यह रिश्तों, बदलते वक्त और आम जिंदगी में छिपी खूबसूरती के बारे में है। तनीषा ने अपने किरदार में एक खास तरह की संवेदनशीलता जोड़ी है, जो कहानी के लिए काफी अहम है।'' 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' की कहानी मुंबई की पारसी कम्युनिटी के बीच सेट है। फिल्म 1990 के दशक से लेकर साल 2025 तक का दौर दिखाती है। इसमें रोमांस, ह्यूमर और इमोशन्स का मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई के असली पारसी घरों और दादर पारसी कॉलोनी में की गई है। फिल्म को पर्दे पर ज्यादा वास्तविक दिखाने के लिए कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ मिलकर भी काम किया। इस दौरान उनकी संस्कृति, रहन-सहन, बोलचाल, तौर-तरीकों और डायलेक्ट को समझने पर खास ध्यान दिया गया, ताकि फिल्म में कम्युनिटी की जिंदगी को सही तरीके से दिखाया जा सके। फिल्म की कहानी लिखने के साथ कपिल कौस्तुभ शर्मा ने इसे डायरेक्ट भी किया है। इसके अलावा, वह फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। कपिल फिल्म में एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसकी कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों को दिखाती है।

किरदार के उम्रदराज हिस्से को पर्दे पर दिखाने के लिए उन्होंने लुक में फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन भी किया है। फिल्म में सुष्मिता मुखर्जी, परवीन दस्तूर, डेलनाज ईरानी, तनाज ईरानी, शाहरुख साइरस ईरानी, डॉली ठाकोर और अनन्या दत्ता जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' को पहले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सर्किट में ले जाने की तैयारी है। इसके बाद फिल्म को थिएटर्स में रिलीज किए जाने की उम्मीद है।





मुश्किल में होती हूं तो मां का अदृश्य हाथ मुझे थाम लेता है

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी फिल्मों से अपनी अलग छाप छोड़ने वाली एक्ट्रेस दिव्या दत्ता अपनी 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चे में हैं। उन्होंने औरतों से लेकर मनोज बाजपेयी संग काम करने को लेकर बात की है।

तकरीबन 30 साल इंडस्ट्री में बिताने वाली दिव्या दत्ता अपने करियर में नैशनल अवॉर्ड की हकदार भी रहीं। अनगिनत भूमिकाएं जी चुकीं दिव्या पिछले दिनों 'चिड़िया' में अपने रोल के लिए खूब सराही गईं। इन दिनों मनोज बाजपेयी के साथ वे 'लास्ट मैन इन टावर' की सशक्त भूमिका से चर्चा में हैं। उनसे एक खास मुलाकात।

आज भी मां से बातें करती हूं

दिव्या दत्ता के लिए उनकी मां बहुत बड़ी इंस्पिरेशन रही हैं। उनकी मां के गुजर जाने के बाद वे लंबे समय तक अवसाद में रहीं, मगर आज भी वे अपनी मां को अपने करीब महसूस करती हैं। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मां के साथ का रिश्ता हर किसी के लिए अनकंडीशनल होता है, जहां आपको कुछ जताने की, बताने की जरूरत महसूस नहीं होती। आज वो हमारे बीच नहीं हैं, मगर आज भी मैं उनसे बात करती हूं। वो एक जो स्ट्रेंथ है, वो बाहर से ड्राइव करती थीं, आज वो अंदर से आती है। सवाल हजार उठते हैं, कन्फ्यूजन होता है, कई बार लगता है ये रोल करूं या न करूं, कई बार कश्मकश के हालात पैदा होते हैं, मगर फिर मुझे जवाब मिल जाता है।

जिंदगी में धक्के लगने पर संभालते हैं कुछ लोग

उन्होंने कहा, 'मैं समझती हूं कि जिनसे आप जने होते हैं अर्थात जिनसे आपका जन्म हुआ होता है, आप वो अवसान के बाद भी कहीं नहीं जाते। वो तो आपके आसपास ही रहते हैं। जब भी आप मुश्किल में होते हैं, कहीं न कहीं आपका हाथ थाम लेते हैं। जब जिंदगी में आपको कुछ धक्के लगते हैं, तब वो कार के सस्पेंशन टायर की तरह आपको संभाल लेते हैं।'

औरतें पहले खुद को संवारें

हाल ही में रिलीज हुई दिव्या की फिल्म लास्ट मैन इन टावर में दिव्या ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो जिंदगी से थक चुकी है और अब अपनी खुशियों के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। एक औरत की निजता, उसका मी टाइम और उसके ख्वाब कितने जरूरी हैं? इस पर दिव्या दत्ता कहती हैं, 'हम महिलाओं की कंडीशनिंग ही ऐसी हुई है कि हम दूसरों के बारे में पहले सोचते हैं। हमारे मल्टीटास्किंग होने की जद्दोजहद में हम महिलाएं जीना भूल जाती हैं

मुझे क्या अच्छा लगता है? मुझे याद है, कोविड में हम बैडमिंटन खेला करते थे, तो एक दिन मैंने सोसायटी की एक आंटी से कहा कि वो भी बैडमिंटन खेलने आएं। वो बोलीं, 'मैं बचपन में खेला करती थी, अब कहां?' तो ये जो 'अब कहां?' है न ये महिलाओं की सबसे बड़ी रुकावट है। कई बार मुझे समझ नहीं आता, 'अब कहां?' यानी क्या?'

मुखौटे पहनकर ट्रोलिंग की जाती है

सोशल मीडिया को हैंडल करने के मुद्दे पर वे कहती हैं, 'हर चीज के फायदे-नुकसान दोनों होते हैं। आज दुनिया सिमट गई है। फायदा ये है कि आप अगर अपने काम के बारे में कुछ शेयर करना चाहते हैं, तो खबर तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। आपको तुरंत रिस्पॉन्स आज आता है। मैं इस मामले में बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे ट्रोलिंग का सामना नहीं करना पड़ा, मगर जो लोग मुखौटे पहनकर सोशल मीडिया पर ट्रोल करते हैं, उन्हें इग्नोर करना बेहतर होता है। आप चाहे मिसोजनी की बात करें या आम ट्रोलिंग की, उस पर रिएक्ट करना है या उसे इग्नोर करना है, ये हमारे हाथ में होता है। हमारी शांति उसी में है कि हम अपना काम करते रहें और लगातार उसी पर फोकस करें। सोशल मीडिया पर एक पर्सेंट लोग आपको ट्रोल करना चाहते होंगे, बाकी के 99 फीसदी लोग आपको बहुत प्यार करते हैं, जो आपके ट्रोल्स से वही पर भिड़ जाते हैं। वहां पर अनगिनत लोग आपके लिए खड़े भी होते हैं, तो हमें अपना अच्छा काम करते रहना है।'

मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का मौका

'मैंने लास्ट मैन इन टावर से पहले भी मनोज बाजपेयी के साथ वीर जारा, स्पेशल छब्बीस, एलओसी कारगिल, ट्रैफिक आदि में काम किया था, मगर हमारे कभी भी कोई सीन साथ में नहीं रहे। लास्ट मैन इन टावर में मुझे पहली बार मनोज बाजपेयी जैसे जादू को महसूस करने का मौका मिला। उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। बहुत जल्द हम एक और फिल्म में साथ दिखेंगे।'

1.70 करोड़ लोगों तक पहुंचा जागरूकता का संदेश

साइबर अपराधों से सुरक्षा के लिए साइबर जागरूकता को जनआंदोलन बनाना होगा: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

एक सत बुलेटिन, रायपुर



डिजिटल युग में साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आए हैं और इनसे सुरक्षित रहने का सबसे प्रभावी माध्यम जागरूकता, सतर्कता और जनभागीदारी है। साइबर सुरक्षा केवल शासन और पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। हमें साइबर जागरूकता को जनआंदोलन का स्वरूप देना होगा, तभी हम साइबर ठगी और डिजिटल अपराधों से सुरक्षित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार कर सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित 'साइबर जागृति अभियान एवं ट्रैफिक हैकाथॉन-2026' के अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया ने देश में अभूतपूर्व परिवर्तन किया है। वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डिजिटल इंडिया की परिकल्पना प्रस्तुत की थी, उस समय इतने विशाल देश और बड़ी ग्रामीण आबादी के बीच डिजिटल अर्थव्यवस्था की सफलता को लेकर अनेक आशंकाएं व्यक्त की जाती थीं। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। गांव का सामान्य नागरिक भी मोबाइल फोन के माध्यम से डिजिटल भुगतान कर रहा है और तकनीक के जरिए देश-दुनिया से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुविधाओं के विस्तार ने जहां नागरिकों के जीवन को आसान बनाया है, वहीं साइबर ठगी और डिजिटल अपराधों की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। अपराधी नई-नई तकनीकों और तरीकों का उपयोग कर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। कई बार तकनीकी रूप से जानकार व्यक्ति भी इनके जाल में फंस जाते हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को साइबर अपराध के तौर-तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चलाए गए सात सप्ताह के विशेष साइबर जागृति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस अभियान ने साइबर सुरक्षा के संदेश को शहरों से लेकर गांवों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग विषयों को केंद्र में रखकर अभिनव गतिविधियां आयोजित की गईं। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों, ग्राम पंचायतों, हाट-बाजारों और सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचकर नागरिकों को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान 5 लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, 5 लाख से अधिक सेल्फी के माध्यम से नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की गई और लगभग 1 करोड़ 70 लाख लोगों तक साइबर अपराधों से बचाव का संदेश पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी यह दर्शाती है कि साइबर सुरक्षा अब केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार और नागरिक से जुड़ा विषय बन चुका है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि साइबर जागृति अभियान को किसी निश्चित अवधि तक सीमित नहीं रखा जा सकता। सात सप्ताह का यह अभियान समाप्त जरूर हुआ है, लेकिन साइबर जागरूकता की यह यात्रा आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके लिए पुलिस और प्रशासन के साथ सामाजिक संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, युवाओं और आम नागरिकों को भी सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। विशेष रूप से युवाओं को साइबर जागरूकता के संवाहक के रूप में आगे आकर अपने परिवार और समाज को सुरक्षित बनाने में योगदान देना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने ट्रैफिक हैकाथॉन-2026 की सराहना करते हुए कहा कि राजधानी रायपुर का तेजी से विस्तार हो रहा है। बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के साथ यातायात प्रबंधन की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात को अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए तकनीक, नवाचार और जनभागीदारी का बेहतर समन्वय आवश्यक है। तकनीकी विशेषज्ञों और विभिन्न संस्थाओं ने राजधानी की यातायात समस्याओं का अध्ययन कर व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए हैं।

कलेक्टर ने भिण्ड जिले में सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने और फॉर्वर्ड करने पर लगाया प्रतिबंध



एक सत बुलेटिन, भिण्ड

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भिण्ड ने कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला भिण्ड से प्राप्त प्रतिवेदन पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (1) के अंतर्गत दिनांक 08 अक्टूबर 2026 से दिनांक 06 दिसम्बर 2026 तक के लिये जिला भिण्ड में कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए लोकहित में, भिण्ड जिला की राजस्व सीमान्तर्गत किसी भी प्रकार के कट-आउट, बैनर, पोस्टर, फ्लैक्स, होर्डिंग्स, झंडे, लेखन आदि जिन पर किसी भी धर्म, व्यक्ति, सम्प्रदाय, जाति या समुदाय के विरूद्ध नारे या अन्य भडकाऊ भाषा का इस्तेमाल किया गया हो, का प्रकाशन सोशल मीडिया (फेसबुक, व्हाट्सएप्प, ट्विटर आदि) के माध्यम से पोस्ट करना एवं उसे फॉर्वर्ड करना प्रतिबंधित किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप्प, यू-ट्यूब, फेसबुक के माध्यम से भ्रामक खबरें प्रसारित कर, धार्मिक भावनाएं आहत करने का प्रयास किये जाने की संभावना बन सकती है, जिससे जिले की शांति एवं कानून व्यवस्था को खतरा उत्पन्न होने के साथ-साथ मानव जीवन एवं लोक सम्पत्ति की क्षति होने की संभावना बढ़ जाती है। वर्तमान में दशहरा एवं दीपावली का त्यौहार भी निकट है। उक्तादेश कानून व्यवस्था के दृष्टिगत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (2) के अंतर्गत जारी किया गया है। उक्तादेश तत्काल प्रभावशील होगा। आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 एवं अन्य दण्डात्मक प्रावधानों के अंतर्गत दण्डनीय होगा।

मोटोरोला की बिगबिलियनमोटोडील्स अब फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज़ पर लाइव



एक सत बुलेटिन, नई दिल्ली

मोबाइल टेक्नोलॉजी में दुनिया भर में मशहूर और भारत का प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला, अपने नए स्मार्टफोन पोर्टफोलियो पर फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज़ सेल 2026 के दौरान 'इट्स द टाइम टू मोटो' अभियान के तहत सबिगबिलियनमोटोडील्स के साथ शानदार फेस्टिव ऑफर्स ला रहा है। शानदार फीचर्स वाले मोटोरोला एज 70 फ्यूज़न, असली फ्लैगशिप किलर मोटोरोला एज 70 प्रो, एआई कैमरा पॉवरहाउस मोटोरोला एज 70 प्रो,+ से लेकर दमदार बैटरी वाले मोटो व37 पावर और मोटोरोला के प्रीमियम फ्लैगशिप मोटोरोला सिग्नेचर तक, ब्रांड त्योहारों के इस मौके पर नया फोन खरीदना पहले से कहीं अधिक आसान बना रहा है। यह सेल अब फ्लिपकार्ट पर लाइव है, जहाँ ग्राहक बिग बिलियन डेज़ सेल के दौरान मोटोरोला के लेटेस्ट स्मार्टफोन पोर्टफोलियो पर खास डिस्काउंट और ऑफर्स का फायदा उठा सकते हैं। मोटोरोला एज 70 फ्यूज़न उन ग्राहकों के लिए मोटोरोला का एक बेहतरीन फेस्टिव अपग्रेड है जो 30 हजार रुपये के बजट में एक प्रीमियम स्मार्टफोन पाना चाहते हैं। एडवांस्ड एआई फोटोग्राफी, प्रीमियम क्वाड-कर्व्ड डिज़ाइन और जबरदस्त बैटरी लाइफ का यह कॉम्बो इस सेगमेंट में सबसे बेहतरीन और ऑल-राउंडर अनुभव देता है। मोटोरोला की बिग बिलियन मोटोडील्स फ्लैगशिप, प्रीमियम और रेगुलर हर सेगमेंट में ब्रांड के सबसे आकर्षक फेस्टिव ऑफर्स एक साथ लेकर आई है। चाहे ग्राहकों को फ्लैगशिप फोटोग्राफी चाहिए हो, पावरफुल एआई एक्सपीरियंस, प्रीमियम डिज़ाइन, इमर्सिव डिस्प्ले या फिर लंबी चलने वाली बैटरी लाइफ–मोटोरोला का लेटेस्ट पोर्टफोलियो हर जरूरत और बजट के हिसाब से एक बेहतरीन अपग्रेड देता है। फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज़ सेल 2026 अब लाइव है, जिसमें ग्राहकों को मोटोरोला के सबसे नए स्मार्टफोन पोर्टफोलियो पर खास डिस्काउंट और फेस्टिव कीमतें मिल रही हैं। यह ऑफर्स फ्लिपकार्ट पर 7 अक्टूबर को रात 12 बजे से सीमित समय के लिए उपलब्ध हैं, जो स्टॉक की उपलब्धता और लागू नियमों व शर्तों के अधीन हैं। मोटोरोला की बिग बिलियन मोटोडील्स सेल में अलग-अलग बजट और जरूरतों के ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए स्मार्टफोन पेश किए गए हैं। कंपनी के पोर्टफोलियो में कैमरा, प्रोसेसर, डिस्प्ले, बैटरी और प्रीमियम डिजाइन जैसे फीचर्स पर जोर दिया गया है।

जीपीएम में नशामुक्त समाज के निर्माण का युवाओं ने लिया संकल्प, जागरूकता का दिया संदेश

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले में नशामुक्त समाज के निर्माण और युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने की दिशा में जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में समाज कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय मरवाही में नशामुक्ति जागरूकता, शपथ एवं सामूहिक हस्ताक्षर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने और अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। सामूहिक हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से युवाओं ने नशामुक्त भारत के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के साथ ही उसकी शिक्षा, रोजगार, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक जीवन को भी प्रभावित करता है। नशे की लत व्यक्ति की प्रतिभा, कार्यक्षमता और भविष्य की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

सुभाष चौराहा से परेड चौराहा होकर इंदिरा गांधी चौराहा मार्ग से भारी वाहनों की एंट्री पर रोक

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भिण्ड ने अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग भिण्ड, नगर पुलिस अधीक्षक भिण्ड, प्रभारी यातायात जिला भिण्ड द्वारा प्रस्तुत सम्मिलित प्रतिवेदन पर मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115, 116, 119 के अंतर्गत सड़क सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए लोकहित में, भिण्ड नगर की सीमान्तर्गत आदेशित किया है कि सुभाष चौराहा से परेड चौराहा होकर इंदिरा गांधी चौराहा मार्ग से वाणिज्यिक भारी वाहन का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा तथा भारी वाहनों के प्रवेश को रोके जाने हेतु स्थाई बैरियर लगवाये जायें। सुभाष चौराहा से लहार चौराहा होकर इंदिरा गांधी चौराहा तक मुख्य मार्ग के दोनों ओर वाणिज्यिक भारी वाहनों (10 चक्का या उससे अधिक के ट्रक) की पार्किंग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। उपरोक्त प्रतिबंधों के होते हुए भी विशेष परिस्थितियों में जिला प्रशासन द्वारा उपरोक्त के संबंध में छूट/शिथिलता संबंधी निर्णय प्रकरण विशेष में लिया जा सकेगा। उक्तादेश दिनांक 08 अक्टूबर 2026 से 07 नवम्बर 2026 तक प्रभावशील होगा। आदेश का उल्लंघन मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 177 एवं अन्य दण्डात्मक प्रावधानों के अंतर्गत दण्डनीय होगा।

अपर कलेक्टर ने दबोह तहसील का किया आकस्मिक निरीक्षण, रिकॉर्ड व्यवस्थित करने के दिए निर्देश



एक सत बुलेटिन, भिण्ड

अपर कलेक्टर श्री राजन बी. नाडिया ने दबोह तहसील का आकस्मिक निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्थाओं और अभिलेखों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित शाखाओं में रखे रिकॉर्ड और न्यायालयीन फाइलों को देखा तथा पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। श्री नाडिया ने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि तहसील के अभिलेख व्यवस्थित और अद्यतन रखे जाएं, ताकि आम नागरिकों के कार्यों का समय पर निराकरण हो सके। उन्होंने न्यायालयीन प्रकरणों से जुड़ी फाइलों की आरसीएमएस में प्रविष्टि सुनिश्चित करने को भी कहा। साथ ही, लंबित कार्यों की नियमित समीक्षा कर कार्यालयीन प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित बनाने पर जोर दिया। अपर कलेक्टर ने निर्देशों का पालन समय-सीमा में करने और रिकॉर्ड संधारण में पारदर्शिता बनाए रखने को कहा।

जन विश्वास अभियान के तहत सीईओ श्री चौहान ने किया ग्राम असवार का निरीक्षण



भिण्ड। जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री वीरसिंह चौहान ने ग्राम असवार का भ्रमण कर विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत संचालित नल-जल योजना का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से योजना के संचालन तथा घरों तक पानी पहुंचने की स्थिति के बारे में जानकारी ली। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय असवार का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से बातचीत की तथा पढ़ाई के स्तर और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा सेवाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने किया 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चौम्पियनशिप का शुभारंभ

जूडो सिखाता है साहस, आत्मसंयम और अनुशासन का पाठः राज्यपाल रमेन डेका

एक सत बुलेटिन, रायपुर



राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित एशियाई खेलों और ओलंपिक में भी देश

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि जूडो केवल एक खेल नहीं, बल्कि साहस, आत्मसंयम, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त माध्यम है। यह विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और संतुलन के साथ चुनौतियों का सामना करना सिखाता है। विशेषकर बालिकाओं के लिए जूडो आत्मरक्षा और मानसिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। राज्यपाल श्री डेका आज सरकंडा स्थित खेल परिसर में 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चौम्पियनशिप-2026 का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बालक-बालिका खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के तत्वाधान में बिलासपुर जूडो संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य भर के 16 जिलो से 240 खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक भाग ले रहे है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि खेल हमें प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करना, जीत में विनम्र रहना और हार से सीखकर आगे बढ़ना सिखाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज राज्य स्तर पर प्रतिभा दिखाने वाले खिलाड़ी भविष्य में का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर आगे बढ़ना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। राज्यपाल ने कोंडागांव जिले की जूडो खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि योगिता मंडावी को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हेमवती नाग ने खेलो इंडिया नेशनल गेम्स और ओपन नेशनल प्रतियोगिता में पदक हासिल किए हैं। वहीं रंजीता कोरेटी ने ताइवान में आयोजित एशियन कैडेट जूडो चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने जूडो में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले हेमवती नाग, अभिषेक जायसवाल, कुमारी शारदा गोस्वामी और योगिता मंडावी को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों की खेल प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है।

मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट 2026 एग्जिबिशन में दिखी हॉस्पिटैलिटी, हस्तशिल्प और ग्रामीण पर्यटन की अनूठी झलक

मध्यप्रदेश पर्यटन पवेलियन में छाया AI अवतार 'मोगली', तकनीक से दिखा रहा पर्यटन की राह

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट 2026 एग्जिबिशन में पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी, तकनीक, हस्तशिल्प और ग्रामीण पर्यटन के विविध आयाम आकर्षण का केंद्र बने रहे। आयोजन में लगाए गए 177 स्टॉल्स के माध्यम से मध्यप्रदेश सहित देश-विदेश के पर्यटन स्थलों, होटल एवं रिसॉर्ट, ट्रैवल-टूर ऑपरेटर्स, होमस्टे, पारंपरिक कला और हस्तशिल्प को व्यावसायिक मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदर्शनी का उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाकर व्यावसायिक साझेदारियों को प्रोत्साहित करना और मध्यप्रदेश को प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में वैश्विक पहचान दिलाना है। मध्यप्रदेश पर्यटन के पवेलियन में प्रदेश के ऐतिहासिक स्मारकों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य, वन्यजीव पर्यटन और विविध पर्यटन अनुभवों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। बड़ी डिजिटल स्क्रीन, इंटरैक्टिव कियोस्क और डिजिटल डिस्प्ले के जरिए आगंतुक प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों और वहां



उपलब्ध अनुभवों की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।पवेलियन का विशेष आकर्षण, द्वि आधारित डिजिटल पहल औ द्वि अवतार 'मोगली' है। मोगली के माध्यम से आगंतुक मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों, स्थानीय अनुभवों और अपनी रुचि के अनुरूप यात्रा विकल्पों के बारे में संवादात्मक तरीके से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह द्वि अवतार पर्यटकों की पसंद और यात्रा संबंधी जरूरतों के आधार पर संभावित यात्रा कार्यक्रम (इटिनेरेरी) तैयार करने में भी सहायता करता है। इस पहल के माध्यम से मध्यप्रदेश पर्यटन ने डिजिटल नवाचार को पर्यटकों की यात्रा योजना से जोड़ने का प्रयास किया है। मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट 2026 में ग्रामीण पर्यटन के प्रामाणिक अनुभवों को प्रदर्शित करने के लिए विशेष ग्रामीण पर्यटन प्रदर्शनी तैयार की गई है। इसमें पर्यटक पारंपरिक होमस्टे, बैलगाड़ी की सवारी, स्थानीय लोक संगीत कलाकारों की प्रस्तुतियों और मिट्टी के बर्तन बनाने जैसी पारंपरिक कलाओं के माध्यम से गांवों की समृद्ध संस्कृति और जीवनशैली से रूबरू हो रहे हैं। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य ग्रामीण परिवेश, स्थानीय परंपराओं, लोक कलाओं और पारंपरिक कौशल को पर्यटन से जोड़ते हुए पर्यटकों को संपूर्ण ग्रामीण अनुभव प्रदान करना है। साथ ही, यह पहल स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों और ग्रामीण समुदायों के लिए आजीविका के नए अवसर सृजित करने तथा ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, कला एवं शिल्प के स्टॉल्स पर बाघ प्रिंट, चंदेरी साड़ियां, भील आर्ट, बटिक प्रिंट और अन्य पारंपरिक हस्तशिल्प के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध रचनात्मक विरासत प्रदर्शित की जा रही है। ये पहल स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और ग्रामीण पर्यटन से जुड़े उद्यमियों को व्यापक बाजार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। पर्यावरण-अनुकूल व्यवस्थाओं के साथ जिम्मेदार पर्यटन पर जोर पर्यटन विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार पर्यटन को भी प्राथमिकता दी जा रही है। आयोजन को पूरी तरह सिंगल-यूज प्लास्टिक मुक्त और पेपरलेस रखने की व्यवस्था की गई है।

स्वामित्व योजना के तहत 17 जिलों के 82 हितग्राहियों को मिले संपत्ति के मालिकाना हक के दस्तावेज



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश में ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का वैधानिक अधिकार उपलब्ध कराने की दिशा में स्वामित्व योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार, 9 अक्टूबर को प्रदेश के 17 जिलों के 82 हितग्राहियों को संपत्ति के मालिकाना हक के दस्तावेज प्रदान किए गए। डिजिटल तकनीक के माध्यम से पंजीयन एवं सत्यापन की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाकर ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के अधिकार संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। स्वामित्व योजना के तहत छिंदवाड़ा जिले में 34, हरदा में 10 और सिंगरौली में 6 हितग्राहियों के संपत्ति दस्तावेजों का पंजीयन पूर्ण किया गया है। डिंडोरी, मंडला और रायसेन में 5-5, जबकि अनूपपुर, उमरिया और नरसिंहपुर में 3-3 हितग्राहियों के दस्तावेजों का पंजीयन पूर्ण हुआ है। इसी प्रकार अशोकनगर, आलीराजपुर, कटनी, ग्वालियर, बालाघाट, श्योपुर, सागर और सीधी में एक-एक हितग्राही के दस्तावेजों का पंजीयन पूर्ण किया गया है। ग्रामीणों को संपत्ति के वैधानिक अधिकार और वित्तीय सशक्तिकरण का आधार स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी भूमि पर स्थित मकानों एवं भूखंडों का ड्रोन तकनीक से सर्वेक्षण कर संपत्ति संबंधी अभिलेख तैयार किए जा रहे हैं।

इंदौर पुलिस ने किया चोरी का खुलासा, दोस्त ने ही घर से चुराया करीब डेढ़ करोड़ का सोना

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में चोरी एवं संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम तथा अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में इंदौर के थाना लसूड़िया पुलिस ने घर से सोने के बिस्किट एवं आभूषण चोरी होने के मामले का खुलासा करते हुए फरियादिया के साथ रहने वाले उसके दोस्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लगभग 630 ग्राम सोने का बिस्किट, 40 ग्राम सोने की चेन, 2 लाख रुपये नकद और एक श्रेणी 17 सहित कुल लगभग 1 करोड़ 10 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने गांव में सरपंची का चुनाव लड़ने और अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए चोरी करना स्वीकार किया है। फरियादिया निवासी नेपानिया मेन रोड, इंदौर ने थाना लसूड़िया में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 10 अगस्त 2026 से 13 सितंबर 2026 के बीच उनके घर की अलमारी से सोने के आभूषण चोरी हो गए हैं। रिपोर्ट पर थाना लसूड़िया में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार थाना प्रभारी लसूड़िया के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान फरियादिया ने बताया कि उनके घर से सोने का बिस्किट एवं अन्य आभूषण चोरी हुए हैं। उनके साथ रहने वाला दोस्त गोपाल जाखड़ घर से जाने के बाद अपना मोबाइल फोन बंद कर चुका था। फरियादिया द्वारा उस पर संदेह जताए जाने के बाद पुलिस ने गोपाल उर्फ गोपी जाखड़, जिला जोधपुर, राजस्थान को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने चोरी करना स्वीकार किया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि फरियादिया के साथ रहते समय उसने घर की अलमारी में सोने का बिस्किट देखा था। अगले महीने उसके गांव में सरपंची के चुनाव होने वाले थे और वह चुनाव लड़ने की योजना बना रहा था। चुनाव के खर्च तथा अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए उसने सोने का बिस्किट चोरी करने की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस आरोपी से चोरी की शेष संपत्ति के संबंध में जानकारी जुटा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस आमजन से अपील करती है कि अपने घरों एवं कीमती सामान की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें।



गाड़ी संख्या 22221 मुंबई-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस 9 अक्टूबर को निरस्त

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा परिचालन संबंधी कारणों से भोपाल होकर संचालित दिनांक 09 अक्टूबर 2026 को गाड़ी संख्या 22221 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुंबई)-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन से निरस्त कर दी गई है। भोपाल स्टेशन से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएं तथा रेल यात्रा से संबंधित अद्यतन जानकारी के लिए रेलवे की आधिकारिक सूचना एवं पूछताछ सेवाओं का उपयोग करें। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए रेल प्रशासन खेद व्यक्त करता है।रेल यात्रियों के लिए जरूरी खबर, 9 अक्टूबर को नहीं चलेगी राजधानी एक्सप्रेस मुंबई से हजरत निजामुद्दीन जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस रद्द।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं को दी कानूनी जानकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल की पहल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल द्वारा संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, बैरागढ़ में विधिक जागरूकता कार्यक्रम लीगल अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि न्यायाधीश श्री सुनीत अग्रवाल,कादम्बिनी शिक्षा समिति के अध्यक्ष दिनेश शर्मा (पीएलवी), संत हिरदाराम कालेज के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचन्दनी ,शहीद हेमू कल्याणी संस्थान के सचिव श्री घनश्याम बुलचनंदानी, वाइस प्रिंसिपल डॉ. मीनू टहलयानी ने दीप प्रज्वलित एवं संत हिरदाराम जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के न्यायाधीश एवं सचिव श्री सुनीत अग्रवाल ने छात्राओं को विभिन्न कानूनी विषयों की जानकारी देते हुए उन्हें अपने अधिकारों और कानून के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को कानूनी प्रावधानों, महिला सुरक्षा, महिलाओं के अधिकारों तथा जरूरत पड़ने पर विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।



साथ ही बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जरूरतमंद एवं पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। न्यायाधीश ने छात्राओं को कानून के प्रति जागरूक रहने, अपने अधिकारों को समझने तथा किसी भी कानूनी समस्या की स्थिति में उचित मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में कानूनी जागरूकता बढ़ाना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना रहा। न्यायाधीश ने छात्राओं द्वारा किए गए प्रश्नों का मंच से उत्तर दिया और छात्राओं की जिज्ञासाओं को दूर किया, साइबर और मोटर व्हीकल एक्ट की विस्तार से जानकारी दी। इस प्रकार के विधिक जागरूकता कार्यक्रम समाज में कानून के प्रति समझ विकसित करने तथा महिलाओं और युवतियों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर पीएलवी श्री दिनेश शर्मा ने महिलाओं, बच्चों के लिए हेल्प लाइन नम्बर बताए साइबर फ्राड की शिकायत 1930, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नम्बर 15100, पुलिस हेल्प लाइन या अन्य आवश्यक शिकायत हेतु 112 नम्बर डायल कर समस्या बता सकते हैं।

टीबी और छाती रोगों की जांच के लिए कैमोर में दो दिवसीय विशेष शिविर

भोपाल। टीबी एवं छाती संबंधी बीमारियों की पहचान और समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कटनी जिले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कैमोर में दो दिवसीय विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर शुक्रवार को शुरू हुए शिविर में जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उन्हें निःशुल्क परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया। शिविर के पहले दिन कुल 121 लोगों ने जांच के लिए पंजीयन कराया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की मरीजों की जांच शिविर के प्रथम दिवस जिला चिकित्सालय कटनी के टीबी एवं चेस्ट विशेषज्ञ डॉ. एस.पी. सोनी और डॉ. शिवमोहन सराफ ने मरीजों की जांच की। विकासखंड सिविल अस्पताल विजयराघवगढ़ के खंड चिकित्सा अधिकारी एवं चिकित्सा दल ने भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान कुल 60 मरीजों का एक्सरे किया गया जिसमें टीबी के 2 पुराने मरीज पाये गये जबकि 58 व्यक्ति स्वस्थ मिले। इसी प्रकार 84 मरीजों की ब्लड शुगर की जाँच की गई जिसमें 11 डाईबेटिक पाए गए। इसके अलावा 84 खखार जाँच, 90 निक्षय जाँच, 84 एचआईवीं जाँच एवं 84 हैपीटाइटिस जांच भी की गई। शिविर के दूसरे दिन 10 अक्टूबर को नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर के विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की जांच करेंगे। इनमें रेस्पिरेटरी मेडिसिन के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आशीष दीवान तथा डीएम एवं सीनियर पल्मोनरी मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. अनुज मोहन शामिल हैं। स्क्रीनिंग में चिन्हित मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। 15 दिन से अधिक समय तक खांसी या बुखार रहने पर स्वास्थ्य जांच कराना जरूरी है।

शिकायत दर्ज करने के लिए कंपनी ने उपलब्ध कराए विभिन्न ऑनलाइन एवं हेल्पलाइन माध्यम

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की सुविधा एवं विद्युत सुरक्षा संबंधी शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से विद्युत सुरक्षा संबंधी शिकायतें दर्ज करने की सुविधा विकसित की गई है। इस सुविधा के माध्यम से उपभोक्ता विद्युत सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं की शिकायत दर्ज करा सकेंगे, जिससे संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों एवं टीमों को तत्काल सूचना भेजकर शिकायतों के निराकरण की प्रभावी निगरानी की जा सकेगी। कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को विद्युत सुरक्षा संबंधी शिकायतें दर्ज कराने के लिए विभिन्न माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं। उपभोक्ता एप्लिकेशन (गूगल प्ले स्टोर/आईओएस ऐप स्टोर), कंपनी के पोर्टल अथवा कंपनी के कॉल सेंटर 1912 के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कॉल सेंटर के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने पर फोटो एवं लोकेशन अपलोड करने के लिए आवश्यक लिंक एसएमएस के जरिए उपलब्ध कराया जा रहा है। विद्युत सुरक्षा संबंधी शिकायत दर्ज करते समय उपभोक्ताओं के मोबाइल फोन में लोकेशन चालू होना आवश्यक है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को संबंधित स्थल की दो फोटो तथा समस्या का संक्षिप्त विवरण दर्ज करना होगा। इससे शिकायत के स्थान एवं समस्या की प्रकृति की सटीक जानकारी संबंधित अधिकारियों और टीमों को प्राप्त हो सकेगी तथा आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि विद्युत तार टूटने, विद्युत पोल झुकने, खुले विद्युत तार, स्पार्किंग अथवा अन्य किसी भी प्रकार की विद्युत सुरक्षा संबंधी समस्या दिखाई देने पर स्वयं विद्युत लाइन या उपकरण को छूने का प्रयास न करें। ऐसी स्थिति में विद्युत लाइनों एवं उपकरणों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें तथा कंपनी के उपलब्ध माध्यमों से तत्काल शिकायत दर्ज कराएं।

शिकायत दर्ज करते समय मोबाइल में लोकेशन चालू रखना आवश्यक



रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 12155 का परिचालन निरस्त

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा परिचालन संबंधी कारणों से गाड़ी संख्या 12155 रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस को दिनांक 09 अक्टूबर 2026 को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व ट्रेन की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। रानी कमलापति एवं भोपाल स्टेशन से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएं तथा रेल यात्रा से संबंधित अद्यतन जानकारी के लिए रेलवे की आधिकारिक सूचना एवं पूछताछ सेवाओं का उपयोग करें। रेल प्रशासन यात्रियों से हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन, वक्ताओं ने 51 शक्तिपीठों को एक साथ मूर्त रूप देने के प्रकल्प को बताया महत्वपूर्ण कदम

51 शक्तिपीठों के शक्ति धाम प्रकल्प से देश में आध्यात्मिक चेतना का होगा विस्तार:तोमर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

देवी के प्रमुख 51 शक्तिपीठों पर आधारित शक्ति धाम प्रकल्प भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और आध्यात्मिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाने की व्यापक परिकल्पना है। यह प्रकल्प देशभर के लोगों को प्रेरणा देने के साथ ही धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए ज्ञान को साधना में ढालना और आध्यात्मिक ऊर्जा को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना आवश्यक है। यह विचार मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को श्री बालमुकुंद आश्रम, झालरिया मठ में 51 शक्तिपीठों पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर व्यक्त किए। शक्ति धाम न्यास, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन तथा कालिदास संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि नवरात्रि के प्रारंभ होने से पहले मां भगवती का स्मरण करते हुए देवी के 51 शक्तिपीठों की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में विचार-विमर्श करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। शक्ति की आराधना, श्रद्धापूर्वक स्मरण और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं का अध्ययन हमारे जीवन को सार्थक, प्रेरणास्पद और सुगम बनाता है। उन्होंने कहा कि केवल ज्ञान प्राप्त कर लेना ही पर्याप्त नही है, बल्कि उस ज्ञान को साधना और व्यवहार में उतारकर अपने



जीवन, देश की प्रगति तथा समाज के कल्याण के लिए उपयोग करना आवश्यक है। 51 शक्तिपीठों की परिकल्पना को मूर्त रूप देने के लिए सभी प्रयासरत हैं। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के माध्यम से इस विषय से जुड़े गूढ़ रहस्यों और आध्यात्मिक पहलुओं को समझने का अवसर मिला है। यह पहल स्वागत योग्य है। जब यह प्रकल्प साकार होगा, तब देशभर के श्रद्धालुओं को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सामूहिक प्रयासों से इस महत्वपूर्ण प्रकल्प को पूर्णता प्रदान की जाएगी। समापन कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक बटुकों द्वारा स्वस्तिवाचन के साथ हुआ। अतिथियों का परिचय कालिदास संस्कृत अकादमी के निदेशक श्री गोविंद गंधे ने दिया। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रतिवेदन शक्ति धाम न्यास के सचिव श्री राकेश शर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी आध्यात्मिक परंपरा, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत में निहित है। देश में आध्यात्मिकता का विकास आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियों में धार्मिक चेतना, मानवीय संवेदनाओं और सेवा के संस्कारों का विकास हो सके। इन संस्कारों से प्रेरित होकर युवा पीढ़ी पीड़ित मानवता की सेवा में अपना योगदान दे सकेगी। उन्होंने कहा कि धर्म और आध्यात्म के क्षेत्र में भारत की विशिष्ट पहचान है। भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक ज्ञान के प्रति विश्वभर में सम्मान का भाव है। धार्मिक परंपराएं समाज को नैतिक मूल्यों, सदाचार और मानव कल्याण की प्रेरणा देती है। श्री शुक्ल ने कहा कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जहां-जहां माता सती के शरीर के अंग गिरे, वहां शक्तिपीठों की स्थापना हुई। नर्मदा नदी के किनारे देवी के 51 शक्तिपीठों को एक साथ स्थापित करने की परिकल्पना साकार होने से श्रद्धालुओं को एक ही स्थान पर सभी शक्तिपीठों के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो सकेगा। इससे देश में धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक चेतना को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकल्प के अंतर्गत भव्य भवन का निर्माण और संकल्प की पूर्णता हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088